OTTIMO
राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020
राष्ट्रीय पाठ्यचर्या (NCF-2023) की व्यावहारिक रूपरेखा पर आधारित
दृष्टि
हिंदी पाठमाला
Teacher's Manual
Class 1–5
Ottimo Publications

पाठमाला - 1

पाठमाला 1 और 2 विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ-3 बिना मात्रा के शब्द

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) घर बतख कलश बरगद

(ख) 1. बस कमल दमकल
2. जल नमक शलगम
3. पर भगत बचपन
4. छत डगर अकबर

(ग) 1. हठ 2. मटर 3. अचकन 4. बरगद

खेल-खेल में सीखें

(क) 1. रस सड़क कसरत

(ख) 1. जब बस सच चख
2. भजन नमक कमल लटक
3. बरगद दमकल लखपत तरपण

(ग) जल गज शलगम कमल
नल बतख बचपन

पाठ-4 आ की मात्रा (ा)

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) (विद्यार्थी स्वयं करें।)

(ख) दाल – दाल चाचा – चाचा
बाजा – बाजा मामा – मामा
काला – काला राधा – राधा

(ग) राम गाजर खा। टमाटर का सलाद बना। बाहर जाकर बाजा बजा।
कान मत खा। मामा तबला बजा। चाचा तलवार चला।

पाठ-5-6 इ की मात्रा (ि), ई की मात्रा (ी)

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) (विद्यार्थी स्वयं करें।)

(ख) इ – बिल किरन गिरगिट
ई – खीर पतली पतीली

(ग) 1. रवि 2. सितार 3. मछली

बाल कलाकार

तकिया हाथी सितार

पाठ-7-8 उ की मात्रा (ु), ऊ की मात्रा (ू)

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) कुरसी सूरज रुपया

(ख) (विद्यार्थी स्वयं करें।)

(ग) 1. यमुना 2. सूप 3. गुरू

मूल्यांकन : I

(क) 1. बस 2. नमक 3. अचकन 4. टब
5. भगत 6. दमकल

(ख) (विद्यार्थी स्वयं करें।)

(ग) 1. बाजा – बाज बजा (बाजा)
2. परी – पीर (परी) परि
3. जुगनू – जूगनु (जूगनू) जुगनू
4. रुपया – (रुपया) रूपया रपया

(घ) राजा दिन निकल आया। बकरी यमुना पर गई।

पाठ-9 ऋ की मात्रा (ृ)

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. गृह 2. वृक्ष 3. सृजन 4. तृण
5. गृह 6. अमृत

(ख) सुमन घर चल। अब हिरन मत पकड़। कृषक भी चला गया।

(ग) 1. हृदय 2. कृपण 3. गृह

पाठ-10-11 ए की मात्रा (े), ऐ की मात्रा (ै)

क्या सीखा, क्या जाना?

(क)

	ए	ऐ
1.	रेल	बैल
2.	ठेला	पैदल
3.	ठठेरा	कैमरा
4.	मेरठ	सैर

(ख) सब – सेब बठक – बैठक
थला – थैला कशव – केशव
महश – महेश सनिक – सैनिक

(घ) 1. घेवर 2. रेलगाड़ी 3. खपरैल

पाठ-12-13 ओ की मात्रा (ो), औ की मात्रा (ौ)

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) मोर पौधा ढोल बिछौना

(ख)

ओ	**औ**
1. ढोल	कौन
2. भोर	नौकर
3. सरोज	मौसम
4. खरगोश	सौदागर

(ग) 1. भोर 2. गोल-मोल 3. ढोल

पाठ-14-15 अं का प्रयोग (ं), अँ का प्रयोग (ँ)

क्या सीखा, क्या जाना?

(क)

अं	अँ
1. शंख	पूँछ
2. पंखा	छाँव
3. वसंत	बाँसुरी
4. रंगारंग	हँसमुख

(ख)

जगल	–	जंगल	रगरूट	–	रँगरूट
बगला	–	बंगला	चुकदर	–	चुकंदर
सुरग	–	सुरंग	छटनी	–	छंटनी

(ग) 1. मंदिर 2. वसंत 3. मूँगफली

पाठ-16 अः का प्रयोग (:)

क्या सीखा, क्या जाना?

(क)

नम	–	नमः	नि सहाय	–	निः सहाय
पुन	–	पुनः	दु साहस	–	दुः साहस
परित	–	परितः	अक्षरश	–	अक्षरशः
फलत	–	फलतः	अंशत	–	अशतः

(ख) ईश को नमः कर। किसी को दुःखी मत कर।

(ग) 1. अक्षरशः 2. निःसहाय 3. दुःसहास

पाठ-17-18 र-रेफ़ (र्) का प्रयोग, र-पदेन (्र, ्र) का प्रयोग

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. मुर्गा चक्र नर्स ड्रम

(ख)

र-रेफ़	**र-पदेन**
1. सर्प	ग्राम
2. मूर्ति	ट्रेन

3. अर्पण क्रोष

4. आशीर्वाद क्रिकेट

(ग) 1. दुर्बल 2. दर्शन 3. क्रिसमस

पाठ-19 आधे अक्षरों वाले शब्द

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) (विद्यार्थी स्वयं करें।)

(ख)

1.	जन्म	जन्म	5.	मस्ती	मस्ती
2.	नव्य	नव्य	6.	अल्पना	अल्पना
3.	अस्त	अस्तृ	7.	ध्यान	ध्यान
4.	भाग्य	भाग्य	8.	न्यारा	न्यारा

(ग) 1. कुत्ता 2. कृष्ण 3. छत्ता 4. मुख्य

मूल्यांकन : II

(क) गृह ठठेरा सैनिक चक्र

(ख) 1. ओ की मात्रा 2. (ॅ)

(ग)

1.	बच्चा	बच्चा	5.	मक्का	मक्का
2.	भाग्य	भाग्य	6.	प्यारा	प्यारा
3.	ध्यान	ध्यान	7.	कृष्ण	कृष्ण
4.	पृष्प	पुष्प	8.	मुख्य	मुख्य

(घ) 1. घेवर 2. खपरैल 3. अनंत 4. दर्शन 5. कुत्ता

प्रश्न पत्र : I

(क) ताल भालू कृष्क तौलिया

(ख)

आ	**इ**	**ई**	**उ**	**ऊ**	**ऋ**
माला	शशि	गीत	कुमकुम	खूबसूरत	गृह
पाठशाला	निकट	नीलम	मधु	कबूतर	सदृश
बताशा	किशमिश	पतीली	हलुआ	खजूर	हृदय

(ग)

झलम	झेलम	पराशूट	पैराशूट
बल	बेल	रामदव	रामदेव
रमश	रमेश	खपरल	खपरैल

(घ)

र-रेफ	**र-पदेन**
हर्ष	ग्रह
पर्वत	ड्रम
दर्शन	प्रिय

(ङ) 1. गृह 2. ढोल

(च) 1. दीपावली 2. यमुना 3. पालतू 4. नृप 5. मेरठ
6. नौकर 7. शतरंज 8. प्रात:काल

(छ) 1. छत्ता 2. कृष्ण 3. मुख्य 4. त्याग
5. अल्पना 6. कुश्ती

(ज) 1. ई की मात्रा 2. पृथक 3. ो 4. ॅ

(झ) 1. मछली 2. गुरू 3. रेलगाड़ी 4. मंदिर 5. क्रिसमस

पाठ-20 हमारी गाय

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. गाय का दूध अति लाभदायक और स्मरण शक्ति को बढ़ाने वाला होता हैं।
2. गाय को लोग बहुत आदर की दृष्टि से देखते हैं।
3. गाय को दुधारू पशु भी कहकर पुकारा जाता हैं।
4. गाय के गोबर के उपले ईंधन के रूप में जलाए जाते हैं।
5. कई पर्वों पर गाय की पूजा की जाती हैं।
6. गाय के दूध से दही मक्खन तथा मिठाइयाँ बनती हैं।

(ख) 1. गौ ग्रास 2. पाचन 3. पदार्थ 4. पुण्य 5. लाभकारी

(ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) जंगली लाभ संध्या अनादर पाप एक

(ख) **शब्द – अर्थ**
दुधारू – दूध देने वाला
पुण्य – भलाई
रोगी – बीमार
शक्ति – बल
श्रेष्ठ – उत्तम
पाचन – पचना

पाठ-21 खिलौना

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. अंशु कमल के लिए नया खिलौना लेकर आया।
2. पहला बंदर अपने दोनों हाथों से मुंह बंद किए हुए हैं।
3. दूसरा बंदर दोनों हाथों से कान बंद किए हुए हैं।
4. तीसरा बंदर शिक्षा दे रहा है कि बुरा मत देखो।
5. लड़ाई की जड़ वचन ही होते हैं।
6. गांधी जी के तीनों बंदर उनके कमरे में सदा रहते थे।

(ख) 1. निराला 2. सुंदर 3. कान 4. शिक्षा 5. निंदा

(ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. बुरा 2. नूतन 3. प्रशंसा 4. शत्रु
5. खुला 6. कुरूप 7. कटाक्ष 8. अंतिम

(ख) 1. बहन 2. बंदरिया 3. बहन 4. माता
5. मोरनी 6. शेरनी 7. मुरगी 8. नानी

(ग) 1. खिलौने 2. आँखें 3. डिब्बे 4. जड़ें
5. कमरे 6. शिक्षाएँ 7. बंदरों 8. हाथों

पाठ-22-23 रंग-रंगोली, रंग-बिरंगी चाल

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. पीला 2. हरे 3. नीला 4. गुलाबी

(ख) गेंदा – पीला गुलाब – गुलाबी
गुड़हल – लाल कमल – गुलाबी
चमेली – सफेद कनेर – सफेद, गुलाबी, पीला

(ग) 1. (i) मिर्च (ii) तोता
2. (i) फूल (ii) सेब
3. (i) बाल (ii) भालू
4. (i) फूल (ii) सूरज

पाठ-24 मैं और मेरा परिवार

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. मृदुल के परिवार में छह सदस्य है।
2. मृदुल की बहन का नाम सलोनी है।
3. मृदुल के पिताजी डॉक्टर व माता जी अध्यापिका है।
4. मृदुल को कहानी उसकी दादी जी सुनाती है।

(ख) 1. पाँच 2. हैवन्स 3. भोजन 4. सहायता

(ग) 1. विद्यालय 2. अस्पताल 3. न्यायालय 4. खेत

(घ) (विद्यार्थी स्वयं करें।)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. परीवार परिवार 4. श्रीमति श्रीमती
2. सदसय सदस्य 5. पार्क पार्क
3. प्रातकाल प्रात:काल 6. अधयापिका अध्यापिका

(ख) **मृदुल परिवार विद्यालय सुलेखा**

मृदुल परिवार विद्यालय सुलेखा

मृदुल परिवार विद्यालय सुलेखा

पाठ-25 बोली अपनी-अपनी

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. बिल्ली म्याँऊ म्याँऊ बोलती है।

2. चिड़िया चीं चीं की आवाज निकालती है।

3. मेंढक टर्र टर्र करके टर्राता है।

4. घोड़ा हिनहिनाता है।

(ख) घोड़ा हिन-हिन, हिन-हिन करता,
कोयल कू कू करती।
मीठी तान सुनाकर अपनी
है सबका मन हरती।

(ग) 1. चुहिया चूँ-चूँ

2. गधा ढेंचू-ढेंचू

3. बकरी मैं-मैं

4. मुर्गा कुकडूँ-कूँ

5. गीदड़ हुआँ-हुआँ

6. भेड़ भैं-भैं

शब्द-बोध और व्याकरण

(विद्यार्थी स्वयं करें।)

पाठ-26 आस्था का जन्मदिन

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. आस्था का जन्मदिन दिनांक 19 नवंबर को होता है।

2. केक पर हैपी बर्थडे टु आस्था लिखा है।

3. आस्था ने उपहार पाकर पापा से धन्यवाद कहा।

(ख) 1. रोशनी 2. गुब्बारों, फूलों 3. उपहार 4. मोमबत्तियाँ 5. कंप्यूटर

शब्द-बोध और व्याकरण

(क)

जनमदिन	–	जन्मदिन	नबंवर	–	नवंबर
खिलोना	–	खिलौना	कंपूटर	–	कंप्युटर
काटूर्न	–	कार्टून	पुसतक	–	पुस्तक

(ख) (विद्यार्थी स्वयं करें।)

(ग) केक बिस्किट फल समोसा चॉकलेट

मूल्यांकन : III

(क) 1. परीवार परिवार 5. जनमदिन जन्मदिन
2. प्रातकाल प्रात:काल 6. काटूर्न कार्टून
3. श्रीमति श्रीमती 7. कंपूटर कंप्यूटर
4. पार्क पार्क 8. खिलोना खिलौना

(ख) 1. लाल 2. छह 3. म्याऊँ-म्याऊँ

(ग) 1. प्रात:काल – सुबह 4. हरना – चुराना
2. वर्ष – साल 5. जन्मदिन – जन्म का दिन
3. चरण – पैर 6. गीत – गाना

(घ) 1. हैवन्स पब्लिक स्कूल 2. भोजन 3. उपहार
4. मोमबत्तियाँ 5. रोशनी

पाठ-27 दाँत में दर्द

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. मोंटी को दाँत में दर्द हो रहा था।
2. मोंटी के दाँत में कीड़ा लग गया था।
3. मम्मी मोंटी को लेकर डॉक्टर के पास गई।
4. इस पाठ से हमे यह शिक्षा मिलती है कि हमें अपने दाँत हमेशा साफ रखने चाहिए।

(ख) 1. नहीं 2. हाँ 3. हाँ 4. नहीं 5. हाँ

(ग) 1. मोंटी के दाँत में दर्द था।
2. दाँतों का डॉक्टर
3. एक दाँत में कीड़ा लग गया था।
4. गाजर, सेब, ककड़ी चबाकर खाने चाहिए।

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) दाँत – दाँत दाँत
ब्रश – ब्रश ब्रश
डॉक्टर – डॉक्टर डॉक्टर
स्वस्थ – स्वस्थ स्वस्थ
मम्मी – मम्मी मम्मी
दर्द – दर्द दर्द

(ख) मोंटी मम्मी
दाँत गाजर सेब
डॉक्टर कुरसी सुबह रात

पाठ-28 बुद्धि बल

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. पशुओं का राजा शेर था।
2. शेर ने जंगल का राज-काज चलाने के लिए अपना मंत्री चुनने का विचार किया।
3. गीदड़ बहुत चतुर था।
4. शेर ने भेड़ियों को मार डाला।
5. खरगोश ने कहा कि जुकाम होने के कारण वह सूंघ नहीं पा रहा।

(ख) 1. अपना मंत्री चुनने के लिए शेर ने पशुओं की सभा बुलाई।
2. गीदड़ की बात सुनकर शेर को गुस्सा आ गया और वह उसे खो गया।
3. भेड़िया ने शेर से कहा कि उसके मुंह से बदबू आ रही है, यह सुनकर शेर चिढ़ गया।
4. खरगोश की चतुराई पर प्रसन्न हो कर शेर ने उसे मंत्री बनाया।
5. यदि मैं खरगोश की जगह होता/होती तो वही करता/करती जो खरगोश ने किया।

(ग) 1. जंगल 2. राजा 3. सीधा-साधा 4. भेड़िए 5. खरगोश

(घ) 1. गीदड़ को 2. मंत्री

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. प्रश्न 2. खुशबू 3. गीदड़ 4. चतुराई

पाठ-29 सुनहरी किरण

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. खिड़की से होकर एक किरण आती है।
2. किरण आलस छोड़ने का संदेश देती है।
3. किरण वन मे, खेत मे बाग में जाती है।

(ख) दुर देश से, रोज सवेरे
दौड़ी-दौड़ी आती है।
पहली किरण जगाती है।

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) चुपके छुपके
जगाती उठाती
प्यारी क्यारी
रोज़ भोज
देश वेश

पाठ-30 चाँद के लिए हठ

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. रवि ने आकाश में कुछ चमकता हुआ देखा।
2. रवि चाँद को पाने की हठ कर रहा था।
3. चाँद के साथ-साथ आसमान में चमकीले गोले चमक रहे थे।
4. माँ ने पानी से भरा थाल आँगन में रखकर रवि को चाँद की परछाई दिखा दी।

(ख) 1. हाँ 2. नहीं 3. नहीं 4. हाँ 5. नहीं

पाठ-31 अंगूर खट्टे हैं

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. घूमते-घूमते लोमड़ी एक पेड़ के समीप पहुँची।
2. अंगूर देखकर लोमड़ी के मुंह में पानी आ गया।
3. अंगूर तोड़ने के लिए लोमड़ी पिछली टाँगों पर खड़ी हो गई।
4. लोमड़ी अंगूरों तक नहीं पहुँच पाई।
5. लोमड़ी के अंतिम शब्दों के पीछे अंगूरों को खाने की लालसा छिपी थी।

(ख) 1. अवश्य 2. विवश 3. इच्छा 4. भाग्य 5. खोज

(ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) बैठा आना गलत दूर आशा मीठा

(ख) शाखें गुच्छे टाँगें पंजे इतने खट्टें

(ग) 1. अंगूरों को देखकर लोमड़ी के मुंह में पानी आ गया।
2. सुनीता ने दिए गए कार्य को समाप्त करने की ठान ली थी।
3. मेरे मित्र ने विदेश घूमने का मन बना लिया था।

मूल्यांकन : IV

(क) 1. दांत में दर्द था। 2. कीड़ा लग गया था। 3. छुपके
4. वेश 5. क्यारी

(ख) 1. नहीं 2. हाँ 3. नहीं 4. नहीं 5. हाँ

(ग) 1. मम्मी 2. गीदड़ को 3. चाँद

(घ) 1. सीधा-सादा 2. खरगोश 3. निर्मल 4. पानी 5. खेत

प्रश्न पत्र : II

(क) 1. पीला 2. लाल 3. सफेद
4. लाल 5. गुलाबी 6. पीला

(ख) 1. परिवार 2. अध्यापिका 3. खिलौना
4. नवंबर 5. मकरवान 6. बछड़ा

(ग) दो तारे तीन घोड़े पाँच खिलौने
दस बच्चे चार कौवे छह थैले

(घ) 1. पहला 2. जगह 3. तारीफ 4. ऊँची आवाज
5. पीड़ा 6. हल 7. प्यार 8. निकट

(ङ) घोड़ा कु-कू मीठी तान मन हरती

(च) 1. हाँ 2. हाँ 3. नहीं 4. हाँ 5. हाँ

(छ) 1. म्याऊँ-म्याऊँ 2. टर्र-टर्र 3. डॉक्टर 4. चबाकर खाने चाहिए।
5. चाँद माँगा था।

(ज) 1. पीला 2. मृदुल की बहन का नाम सलोनी है।

पाठमाला - 2

पाठ-1 सबसे सुंदर देश

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. उत्तर में

2. पावन गंगा

3. मातृ भूमि

(ख) 1. उत्तर में खड़ा हिमालय प्रतिपल रक्षा करता है।

2. भारत को ऋषि मुनियों की धरती बताया गया है।

3. मातृभूमि की सेवा करके हम अपना जीवन सफल बना सकते हैं।

(ग) 1. गंगा-धारा 2. वर्षा होती है

(घ) दक्षिण में लहराता सागर
भारत माँ के चरण पखारे।
और प्रकृति भी निज हाथों से
इस धरती का रूप निखारे।।

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क)

न्याय	उत्तर	प्रकृति
प्रतिशत	मातृभूमि	प्राण

(ख)

1. जग	जगत	संसार
2. बादल	मेघ	जलध
3. जल	नीर	अम्बु
4. माँ	जननी	माता

पाठ-2 अपना काम स्वयं कीजिए

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. भोलू

2. मजदूरों को

3. चिड़ा-चिड़िया

(ख) 1. मजदूर ना मिलने के कारण भोलू किसान अपने खेत की फसल नहीं कटवा पा रहा था।

2. बच्चों द्वारा किसान और उसकी पत्नी के बीच होने वाली बातचीत के बारे में सुनकर चिड़ा ने कहा "अभी चिंता की कोई बात नहीं।"

3. मजदूर ना मिलने पर भोलू की पत्नी ने कहा "क्यों ना कल सुबह से हम दोनों ही इस खेत की फसल काटने में जुट जाए।"

4. किसान के द्वारा स्वयं फसल काटने की बात सुनकर चिड़ा चिड़िया ने अपने बच्चों को वह जगह छोड़ने के लिए तैयार कर लिया।

(ग) 1. किसान की पत्नी ने किसान से
2. चिड़ा ने अपने बच्चों से
3. किसान ने अपनी पत्नी से
4. चिड़िया ने चिड़े से

(घ) 1. गेहूँ की फसल
2. चिड़ा-चिड़िया

(ङ) 1. नहीं 2. हाँ 3. हाँ 4. हाँ

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) 1. पिता माता
2. बालक बालिका
3. बैल गाय
4. बकरा बकरी
5. मोर मोरनी

(ख) 1. मुसीबत – उ, ई
2. कोशिश – ओ, इ
3. बातचीत – आ, ई
4. तैयार – ऐ, आ
5. ज़रूरत – ऊ
6. बसेरा – ए, आ

पाठ-3 भाषाओं की रानी : हिंदी

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. भाषाओं की रानी हिंदी है।
2. हिंदी संस्कृत की बेटी है।
3. हिंदी राष्ट्र एकता की कुंजी है।
4. हिंदी जन, गण, मन की तान है।

(ख) 1. हिंदी देश धर्म की शान है।
2. कविता में सूरदास, कबीर व रसखान के नाम आए है।
3. हिंदी जन जन की वाणी है।

(ग) 1. हिंदी
2. राष्ट्र का

(घ) 1. भाषाओं की रानी हिंदी
देश धर्म की शान है।
2. राष्ट्र एकता की कुंजी ये,
जन गण मन की तान है।
3. हिंदी का सम्मान हमारे,
राष्ट्र का सम्मान है।

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) 1. धंम धर्म
2. रसखन रसखान
3. वाड़ी वाणी
4. ऐकता एकता
5. असमिता अस्मिता
6. सममान सम्मान

(ख) 1. मुस्कान हंसी
2. जन लोग
3. राष्ट्र देश
4. कुंजी चाबी

पाठ-4 नींद की करामात

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. नानी के घर।
2. गाजर का।
3. सूरज और चाँद की

(ख) 1. राघव ने रात को नानी जी से कहानी सुनाने के लिए कहा।
2. आकाश नगरी मे दिन, रात्री, सूरज और चंद्रमा रहते थे।
3. सूरज और चंदा घर ना पहुंचे तो दिन और रात्रि बच्चों की खोज में निकल पड़े।
4. निंद्रा अजगर की आंखों में घुस गइ और उसे जम्हाई दिला दी, जिससे अजगर का मुंह खुल गया और सूरज और चंद्रमा बाहर आ गए।
5. कहानी के अनुसार घटना के बाद से दिन और रात्रि आकाश में रहते हैं और दिन सूर्य की रक्षा करता है और रात्रि चंद्रमा की।

(ग) 1. हाँ 2. नहीं 3. नहीं
4. हाँ 5. हाँ

(घ) 1. रात्रि 2. अजगर ने 3. आकाश में

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) 1. चरण पैर पाद

2. रात्रि रात निशा

3. दिन दिवस दिनकर

4. सूर्य भास्कर दिनकर

5. चंद्रमा चाँद चंदा

(ख) मोहन सोहन अजगर

पाठ-5 बगीचे की सैर

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. बगीचे में।

2. भँवरें और तितलियाँ।

3. घोंसला।

(ख) 1. पाठ में आम, जामुन, इमली व आड़ू पेड़ के नाम आए हैं।

2. पेड़ों की पत्तियां अलग-अलग बनावट की है जैसे हरी, भूरी, सुखी, मुलायम, भूरी, लंबी और गोल।

3. माली को धन्यवाद पेड़-पौधों का बहुत ध्यान रखने के लिए कहा गया है।

(ग) 1. पेड़-पौधे 2. चीटियाँ 3. उल्लू

4. बनावट 5. छाया

(घ) 1. माली 2. पेड़-पौधे

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) 1. जामून जामुन 4. पोधा पौधा

2. घोंषला घोसला 5. किताभ किताब

3. वनाबट बनावट 6. पत्तिया पत्तियाँ

(ख) 1. (विद्यार्थी स्वयं करें।)

पाठ-6 थैंक यू न्यूटन अंकल!

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. सेब 2. न्यूटन 3. चाँद पर

(ख) 1. जब सेब सर पर गिरा तो न्यूटन ने विचार किया कि यह सेब पेड़ से टूटकर नीचे ही क्यों गिरा आकाश में क्यों नहीं चला गया।

2. न्यूटन ने वर्षों के परिश्रम के बाद पाया कि पृथ्वी में वस्तुओं को अपनी ओर आकर्षित करने की एक शक्ति होती है इसी शक्ति के कारण फल वृक्ष से टूट कर पृथ्वी पर गिरता है आकाश में नहीं जाता।

3. न्यूटन की खोज से हमें बहुत से लाभ हुए हैं, जैसे हमें पता चला कि पदार्थ एक दूसरे को खींचते हैं। आकाश में टिमटिमाने वाले तारों में सूरज और चांद में भी यह शक्ति होती है। इसी जानकारी की सहायता से मनुष्य चांद तक जा पहुंचा है।

(ग) 1. गुरुत्वाकर्षण बल

2. आकर्षण शक्ति

(घ) 1. हाँ 2. नहीं 3. हाँ 4. नहीं 5. हाँ

शब्द-बोध एवं व्याकरण

1. नीचे – ऊपर
2. नहीं – हाँ
3. लाभ – हानि
4. हँसना – रोना
5. बड़ा – छोटा
6. संभव – असंभव

मूल्यांकन : I

(क) 1. एकता 2. अस्मिता 3. घोसला 4. पौधा 5. बनावट
6. किताब

(ख) 1. नहीं 2. हाँ 3. हाँ 4. नहीं 5. हाँ

(ग) 1. पेड़-पौधे 2. उल्लू 3. छाया 4. बनावट

(घ) 1. ऊपर 2. हां 3. रोना 4. असंभव

(ङ) 1. रात्रि 2. माली

पाठ-7 वर्षा आई

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. वर्षा 2. इंद्रधनुष 3. डाल डाल पर 4. नभ

(ख) 1. बेहाली गर्मी से थी।

2. बच्चे कागज की नाव चला कर खुश हैं।

3. इंद्रधनुष की काया रंग बिरंगी है।

(ग) 1. गरमी से तो थी बेहाली,
वर्षा से आई खुशहाली।।

2. भीगे बच्चें बाहर जाकर,
खुश कागज़ की नाव चलाकर।

(घ) 1. वर्षा से 2. नभ में

शब्द-बोध एवं व्याकरण

1. सारी प्यारी
2. बेहाली खुशहाली
3. जाकर चलाकर
4. छाया काया
5. छुटकारा सारा

पाठ-8 करुणा की दया

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. करूणा 2. एक बूढ़ा
3. बड़े नाले के पास वाली बस्ती में। 4. एक बरसाती और कम्बल।

(ख) 1. वृद्ध व्यक्ति बारिश में भीग कर ठंड से कांप रहा था।
2. कंबल और चाय की गर्मी पाकर बूढ़े व्यक्ति को राहत मिली।
3. बूढे ने कहा "आप और आपकी यह छोटी बिटिया बहुत भले हो पर आप लोगों को बहुत कष्ट होगा।"

(ग) 1. हाँ 2. नहीं 3. नहीं 4. हाँ 5. हाँ

(घ) 1. करूणा ने बूढ़े से
2. बूढ़े ने करूणा से
3. करूणा के पिता जी ने बूढे से

(ङ) 1. दया का 2. आशीर्वाद

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(ख) दया ठंड प्रसन्न
गरम कठिन शीतल

पाठ-9 हमारे राष्ट्रीय प्रतीक

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. तिरंगा। 2. तीन। 3. केसरिया।
4. रवीद्रंनाथ टैगोर ने। 5. सावधान।

(ख) 1. भारत को आर्यावर्त, हिंदुस्तान तथा इंडिया के नाम से भी जाना जाता है।
2. राष्ट्रीय ध्वज आयत के आकार में होता है तथा इसकी लंबाई चौड़ाई का अनुपात 3.2 होता है।
3. तिरंगे में केसरिया रंग जागृति शौर्य एवं त्याग का संदेश देता है।
सफेद रंग सत्य शांति और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है।
हरा रंग सुख और समृद्धि का संदेश देता है।
इसके अतिरिक्त चक्र हमें न्याय, समय के साथ गतिशील रहने और उन्नति की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है।
4. तिरंगे को स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर फहराया जाता है।
5. राष्ट्रगान 24 जनवरी सन् 1950 को स्वीकार किया गया।

(ग) 1. तिरंगे 2. नीले, सफेद 3. चौबीस
4. गौरव, शान 5. राष्ट्रगान

(घ) 1. आयत जैसा 2. सफ़ेद

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क)

अपना	–	पराया	सम्मान	–	अपमान
विभाजित	–	अविभाजित	स्वीकार	–	अस्वीकार
सत्य	–	असत्य	सुख	–	दुख
वीरता	–	कायरता	स्वतंत्र	–	परतंत्र

बाल कलाकार

राष्ट्रीय खेल	हॉकी	राष्ट्रीय पुष्प	कमल
राष्ट्रीय पशु	चीता	राष्ट्रीय पक्षी	मोर

पाठ-10 रबड़ के उपयोग

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. दूध जैसा।
2. कारखाने में।
3. हलका और लचीला।
4. रबड़ की जानकारी के लिए।

(ख) 1. मोहिनी के पापा बाजार से उसके लिए एक रबड़ का बैग खरीद के लाए।
2. रबर एक हल्का और लचीला पदार्थ है जिस पर पानी का कोई असर नहीं होता।
3. रबड़ से साइकिल ट्रैक बस मोटरसाइकिल आदि के टायर, खिलौने गुब्बारे और गेंदें भी बनाई जाती हैं।

(ग) 1. हाँ 2. हाँ 3. नहीं 4. हाँ

(घ) 1. पापा द्वारा 2. रबड़

(ङ) 1. मोहिनी ने पापा से 2. पापा ने मोहिनी से
3. पापा ने मोहिनी से

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क)

वस्तु	–	वस्तुएँ	गेंद	–	गेंदें
ऋतु	–	ऋतुएँ	साइकिल	–	साइकिलें
लता	–	लताएँ	बस	–	बसें
दिशा	–	दिशाएँ	पेंसिल	–	पेंसिलें

(ख)

संज्ञा	**सर्वनाम**
1. मोहिनी	इन
2. चप्पल	अपने
3. दिल्ली	तुम
4. कारखाना	वे
5. रबड़	

मूल्यांकन : II

(क) 1. सारी — प्यारी
2. बेहाली — खुशहाली
3. जाकर — चलाकर
4. छाया — काया
5. छुटकारा — सारा

(ख) 1. धरती — भूमि — धरा
2. फूल — पुष्प — सुमन
3. वर्षा — बारिश — बरसात
4. नभ — आकाश — आसमान

(ग) 1. नहीं 2. हाँ 3. हाँ 4. हाँ

(घ) 1. अपना — पराया 4. सुख — दुख
2. सत्य — असत्य 5. वीरता — कायरता
3. सम्मान — अपमान 6. स्वतंत्र — परतंत्र

(ङ) 1. नभ में 2. आयत जैसा

पाठ-11 गाय : एक उपयोगी पशु

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. श्यामा
2. जब प्रखर की माँ दूध दुहती है तब गाय अपने बच्चे को प्रेम से चाटती है।
3. दूध से मिठाई, पनीर, घी, दही, खोया और मक्खन व इत्यादि बनाए जाते है।
4. गाय का गोबर खाद बनाने, घर लीपने एवं उपले बनाने के काम आता है।
5. श्रीकृष्ण जी भी जंगल में गाय चराने जाते थे इसलिए इन्हे गोपाल कहते है।

(ख) 1. भोली, सीधी 2. बैल 3. श्रीकृष्ण
4 मिठास 5. खाद

(ग) (विद्यार्थी स्वयं करें।)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) गवाला – ग्वाला बछरा – बछड़ा
मकखन – मक्खन शयामा – श्यामा

(ख) छोटा – छोटी खट्टा – खट्टी
पैना – पैनी भोला – भोली
तीखा – तीखी सीधा – सीधी

पाठ-12 कश्मीर की वादियों में

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. जम्मू, श्रीनगर।

2. किनारे पर तैरते हुए।

3. डल झील पर मिलने वाला पेय।

4. भारत का स्विटजरलैड़।

5. श्रीनगर, पहलगाम, गुलमर्ग

(ख) 1. एक पतली नुकीली बनावट वाली लकड़ी की नाव जिसकी सीटें बहुत आरामदायक होती हैं उसे हम शिकारा कहते हैं।

2. चश्माशाही का जल स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक है जिसका प्राचीन काल में राजा और महाराज भी सेवन किया करते थे।

3. गुलमर्ग के मनोरम दृश्य जैसे प्राकृतिक सौंदर्य हिमाच्छादित पर्वत शिखर के साथ अठखेलियाँ करते बादल और सतरंग इंद्रधनुष सबका मन मोह लेते हैं, इसी कारण इसे धरती का स्वर्ग कहा जाता है।

4. गुलमर्ग विश्व का सबसे बड़ा गोल्फ कोर्स और देश का प्रमुख स्की रिज़ॉर्ट हैं

5. कश्मीर का वास्तविक सौंदर्य यहां के गांव में देखने को मिलता है जहां अखरोट और सेबो से लदे वृक्ष केसर और फूलों की सुगंध होती है।

(ग) 1. हाँ 2. नहीं 3. हाँ 4. हाँ

(घ) 1. श्रीनगर में 2. गुलमर्ग

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) 1. इच्छा– मेरी इच्छा श्रीनगर घुमने की है।

2. मनोरम– कश्मीर के दृश्य बहुत मनोरम है।

3. बनावट– शिकारा नाव की बनावट पतली व नुकीली होती है।

4. स्वस्थ– स्वस्थ शरीर में स्वस्थ दिमाग का वास होता है।

5. पर्यटक– भारी संख्या में हर साल पर्यटक कश्मीर आते है।

(ख) 1. <u>गरम</u> मौसम 3. <u>सतरंगा</u> इंद्रधनुष

2. <u>स्वादिष्ट</u> कहवा 4. <u>खुबसूरत</u> गाँव

(ग) 1. पतली मोटी 3. सुगंध दुर्गंध

2. लाभदायक हानिकारक 4. समान असमान

पाठ-13 क्यों आते हैं भूकंप?

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. भूकंप आ गया। 2. भगवान का। 3. भूकंपनापी, रिक्टरस्केल।

(ख) 1. भूकंप आने पर धरती पर एक नया ही दृश्य दिखाई देता है।

2. भूकंप आने पर मलबे के ढेर में बदलते हुए मकान, टूटकर गिरे हुए पुल, खड्डेदार सड़के, टीलों और गढ्डों से बदलती हुई धरती, धंसे हुए वाहन, मलबे में दबे हजारों लोग जैसे दृश्य देखने को मिलते हैं।
3. धरती की भीतरी उथल-पुथल के कारण चट्टानों में आए दबाव से धरती पर भूकंप आता है।
4. समुद्र में आने वाले भूकंप सुनामी को जन्म देते हैं।
5. भूकंप का अध्ययन करने के लिए वैज्ञानिकों ने एक यंत्र विकसित किया जिसे भूकंपमापी यंत्र रिक्टर स्केल कहते हैं।

(ग) 1. हिल 2. भूकंप 3. प्राकृतिक आपदा
4. ऊँची-नीची 5. समुद्र

(घ) 1. भूकंपीय तरंगों के बारे में
2. सुनामी को

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क)

खिड़की	खिड़कियाँ	बकरी	बकरियाँ
नदी	नदियाँ	टोली	टोलियाँ
कली	कलियाँ	मुरगी	मुरगियाँ

पाठ-14 बूँद की व्यथा

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. कविता के माध्यम से कवि कहना चाहता है कि मुसीबत का सामना करना कभी-कभी हमारे भाग्य को पलट देता है।
2. बूँद सीप में जाकर मोती बनी।
3. मैं घर छोड़कर क्यो कढ़ी।
4. अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध।
5. समुदंर

(ख) 1. घर से निकलते समय अक्सर लोग सोचते हैं कि पता नहीं उन्हें मंजिल मिलेगी भी या नहीं।
2. बूंद एक सुंदर सीप के मुँह में गिरने से मोती बनी।
3. घर छोड़ने से अक्सर हम अपनी राह में आने वाले मुसीबत का सामना करके मंजिल को पा लेते हैं।
4. इस कविता से हमने सीखा कि हमें बिना डरे घर से निकलकर अपनी सफलता की राह की ओर चलना चाहिए।
5. बूंद अंगारे, धूल व कमल में गिरने से डर रही थी।

(ग) 1. बादलों 2. समुंदर 3. सीप 4. भाग्य

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) बढ़ी – रुकी अकसर – कभी-कभी
सुंदर – कुरूप खुला – बंद

(ख) (विद्यार्थी स्वयं करें।)

मूल्यांकन : III

(क) 1. ऊ, ई 2. ओ, इ 3. आ, ई
4. ऐ, आ 5. ए, आ 6. उ

(ख) 1. मेघ, जलधर 2. माता, जननी
3. संसार, जगत 4. नीर, पानी

(ग) 1. पिता-माता 2. बालक-बालिका
3. बैल-गाय 4. बकरा-बकरी

(घ) दक्षिण में लहराता सागर,
भारत माँ के चरण पखारे।
और प्रकृति भी निज हाथों से
इस धरती का रूप निखारे।

(ङ) 1. बर्षा होती है। 2. गेहूँ की फसल
3. सुनामी को

पाठ-15 जैसे को तैसा

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. किशोर कठिन समस्याओं का समाधान एकदम सोच लेता था।
2. बाजार में किशोर की दृष्टि एक हलवाई की दुकान पर पड़ी।
3. हलवाई ने चालाकी से कम जलेबियाँ तोली।
4. किशोर ने हलवाई को कम पैसे दिए।
5. हलवाई मुख से निकला अरे! यह तो मेरा भी बाप निकला।

(ख) 1. हक्का-बक्का 2. तत्काल 3. मेधावी 4. शठता

(ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✓

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) तुरंत नजर/निगाह युवक किशोर
चाचा मुँह तुरंत

(ख) भोला सरल अधिक
प्रश्न अनुचित बेचना

(ग) 1. बाजार में गरम-गरम कचौड़ियाँ देखकर मेरे मुँह में पानी आ गया।
2. इस छोटे बच्चों की बहादुरी देखकर लोग हक्के-बक्के रह गए।

पाठ-16 रक्षाबंधन

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. रक्षाबंधन का त्योहार प्राचीन काल से चला आ रहा है।
2. सिकंदर के प्राण राखी ने ही राजा पोरस से बचाए थे।
3. रानी कर्णवती ने सम्राट हुमायूँ को राखी भेजी थी।
4. रक्षाबंधन श्रावण मास के पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है।

(ख) 1. रक्षाबंधन से इतिहास की कई घटनाएँ जुड़ी हुई हैं।
2. रक्षाबंधन का त्योहार श्रावण-मास के पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है।
3. रक्षाबंधन पर बहनें भाइयों के कलाई पर राखी बांधती है।
4. रक्षाबंधन पर भाई बहनों को उपहार देते हैं।
5. आजकल भांति-भांति के डिजाइन बने होते हैं।

(ग) 1. श्रद्धा 2. प्रतीक 3. रक्षा 4. श्रावण

(घ) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗

शब्द-बोध और व्याकरण

(क)	प्रमुख	पवित्र	भेंट
	श्रेष्ठता	प्रेम	महीना
(ख)	घृणा	पश्चात्	अंत
	अपवित्र	क्षुद्र	नवीन
(ग)	बहन	स्त्री	राजा
(घ)	बहानें	दुकानें	भाइयों
	राखियाँ	मिठाइयाँ	उपहारों

(ङ) 1. मेरी मित्र ने मुझे मेरे जन्म दिवस पर बहुत सुंदर उपहार दिया।
2. भारत विभिन्न त्योहारों का देश है।

पाठ-17 दोहा पंचक

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. धर्म का मूल दया है।
2. पाप का मूल अभिमान है।
3. रस्सी के आने-जाने से सिल पर निशान पड़ जाते हैं।
4. श्री राम को सबका दाता माना गया है।

(ख) 1. दया का गुण मनुष्य को जीवन के अंत तक नहीं त्यागना चाहिए।
2. श्री राम को सबका पोषण करने वाला माना जाता है।
3. रस्सी के घिसने से सिल पर निशान पर जाता है।
4. अभ्यास करने से मूर्ख भी सुजान बन जाता है।
5. पाठ का अंतिम दोहा दास मलूका ने रचना की है।

(ग) 1. अभिमान 2. दया 3. प्राण 4. मूल

(घ) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) अहंकार करुणा सेवक

(ख) पुण्य अधर्म जड़मति

पाठ-18 गुरुभक्त शहजादे

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. बगदाद नगर इराक देश की राजधानी था।
2. मुसलमानों के मुखिया को खलीफा कहा जाता था।
3. माता के पाँवों के नीचे स्वर्ग होता है।
4. पिता का स्थान आकाश से भी ऊँचा है।

(ख) 1. बगदाद इराक देश की राजधानी है।
2. खलीफा मामून के दो पुत्र थें।
3. खलीफा ने अपने पुत्रों को शिक्षा दिलवाने हेतु शिक्षक नियुक्त किया।
4. सहज़ादों को अपने गुरु को जूता पहनाने की पुण्य-बात सामने आई।

(ग) 1. आदरणीय 2. खलीफा 3. आकाश 4. स्वर्ग

(घ) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) राजकुमार अध्यापक गगन
सम्मान सिंहासन नाराज

(ख) बुरा नरक पाताल
अपवित्र क्षुद्र बेचना

(ग) इराक बगदाद शहजादा खलीफा

(घ) 1. शिक्षा प्राप्त करने के लिए विद्यालय जाना पड़ता है।
2. कश्मीर को भारत का स्वर्ग कहा जाता है।

बाल कलाकार

पंडित

गइ्न्थि/ग्रन्थि

मौलवी

पाठ-19 अबुल कलाम आज़ाद

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. सरल उर्दू 2. काबुल 3. चालीस

(ख) 1. धनवान लोगों ने धर्म ग्रंथ के लिए मौलाना अब्दुल कलाम आजाद को बहुत सा धन देने का लोभ दिया।

2. काबुल से आए अजनबी ने कहा "मैं एक पठान हूं और काबुल से आया हूं।"
3. मौलाना ने ग्रंथ छापने तक मुसाफिर को अपने घर पर रखा और ग्रंथ छप जाने पर कुरान शरीफ की पहले अनुवाद कॉफी उसे भेंट की।
4. ग्रंथ के पहले पन्ने पर लिखा था 'यह ग्रंथ उस अजनबी मुसाफिर के नाम है जो इसे लेने काबुल से कोलकाता तक पैदल चलकर आया।'

(ग) 1. कुरानशरीफ का

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) 1. सरल आसान
2. मुसाफिर यात्री
3. चरण पैर
4. आश्चर्य हैरानी

(ख) 1. धनवान लोग
2. ऊँचा पद
3. अजनबी मुसाफिर
4. चालीस रुपए

बाल कलाकार

हिंदू धर्म – गीता
पारसी धर्म – जेंद अवेस्ता
ईसाई धर्म – बाइबल
सिख धर्म – श्री गुरू ग्रंथ साहिब

पाठ-20 पानी-रे-पानी

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. पानी से
2. प्यासा
3. कल कल
4. छल छल

(ख) 1. पानी हमें बर्फ, ओस और भाप के रूपों में मिलता है।
2. पानी हमें नदिया झरने तालाब और कूओं से मिलता है।
3. पानी जब बाढ़ लाता है तब आफत ढाता है।

(ग) 1. पानी 2. तालाबों 3. पानी
4. जीवन 5. खेत

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) 1. पानी – पानी हम सबके लिए बहुत महत्वपूर्ण है।
2. प्यासा – वह राहगीर बहुत प्यासा था।
3. भाप – पानी गर्म होकर भाप बनाकर उड़ गया।
4. निर्मल – नदी का जल बहुत निर्मल है।
5. धरती – हमें धरती को हरा भरा बनाना है।

(ख)

1.	मुनना	मुन्ना	4. कुँआ	कूँआ
2.	काहनी	कहानी	5. रुप	रूप
3.	निमर्ल	निर्मल	6. बाढ	बाद

(ग) 1. पानी नानी
2. पीते जीते
3. कल-कल छल-छल
4. जल निर्मल
5. लाता ढाता

मूल्यांकन : IV

(क) 1. जंगल 2. खुशबू 3. गीदड़ 4. कश्मीर

(ख) 1. मखमली घास मखमली
2. गरम मौसम गरम
3. स्वादिष्ट कहवा स्वादिष्ट
4. सतरंगा इंद्रधनुष सतरंगा
5. ऊँचा पद ऊंचा

(ग) 1. सीधा सादा 2. खरगोश 3. पानी
4. निर्मल 5. खेत

(घ) 1. हाँ 2. नहीं 3. हाँ
4. हाँ 5. नहीं

(ङ) 1. गीदड़ को
2. कुरानशरीफ का

प्रश्न पत्र: II

(क) 1. रुकी 2. कुरूप 3. बंद
4. मोटी 5. हानिकारक 6. दुर्गंध

(ख) 1. मजदूरनी 2. पत्नी 3. चिड़ी
4. गाय 5. बकरी 6. मोरनी

(ग) 1. बूँद – जल की हर बूँद बहुमूल्य है।
2. इच्छा – कक्षा में प्रथम आने की इच्छा हर छात्र की होती है।
3. मनोरम – बाहर की दृश्य बड़ा ही मनोरम है।
4. स्वास्थ्य – फल स्वास्थ्य के लिए आवश्यक होते हैं।
5. पर्यटक – कश्मीर में बहुत पर्यटक आते हैं।

(घ) 1. जननी, माता
2. जगत, संसार
3. मेघ, जलधर
4. अम्बु, नीर

(ङ)

संज्ञा	सर्वनाम	क्रिया
फूल	उनके	छोड़ना
धूल	वह	बचूँगी
बूंदा	मेरे	बढ़ी
सीप	उस	

(च) 1. हाँ 2. हाँ 3. नहीं 4. हाँ

(छ) 1. भूकंप 2. समुद्र 3. बादलों 4. तालाबों 5. जीवन

(ज) 1. भूकंपीय तरंगों के बारे में - ✓
2. गीदड़ को - ✓
3. गुलमर्ग - ✓

(झ) 1. चिड़े ने कहा अपने बच्चों से।
2. भोलू किसान ने अपनी पत्नी से कहा।
3. चिड़िया ने चिड़े से कहा।

(ञ) 1. भोलू किसान अपने खेत की फसल मजदूर न मिलने के कारण नही करवा पा रहा था।
2. भूकंप का अध्ययन करने के लिए वैज्ञानिकों ने एक यंत्र विकसित किया। इसे भूकंप मापी यंत्र रिक्टर स्केल कहते हैं।
3. बूँद सीप में जाकर मोती बनी।
4. शेर ने खरगोश की चतुराई के कारण अपना मंत्री बनाया।
5. मौलाना आज़ाद ने मुसाफिर को अपने घर रखा और कुरानशरीफ़ की पहली अनुवाद कॉपी उसे भेंट दी।

पाठमाला - 3

पाठ-1 प्रकृति का संदेश

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. सूर्य तपकर धरती को रोशन करता है।
2. मीठे-मीठे फल
3. समुद्री सीप में
4. अंधकार से

लिखित

(ख) 1. हमें दुखी प्राणियों पर कोमल माखन जैसे गल जाना चाहिए।
2. हमें दुर्दिनों में पानी जैसे ढल जाना चाहिए।
3. हमें हवा से नभ में ऊपर उठकर छा जाने की सीख मिलती है।
4. मछली हमें उल्टी धारा में लड़कर बहना सिखाती है।

(ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

(घ) 1. (क) 2. (ख) 3. (क)

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क)

और	ठौर	कौर	आए	गाए	जाए
पानी	हानी	नानी	गगन	मगन	लगन

(ख) विद्यार्थी स्वयं करें।

(ग) 1. खाती 2. मिलता 3. रही
4. रहे 5. रही 6. जाता

पाठ-2 सँभलकर चलिए

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. सड़क पर
2. बाई ओर
3. पैदल पार पथ या जेबरा क्रॉसिंग

लिखित

(ख) 1. सड़क पर चलते समय किसी वाहन से टकराने का खतरा रहता है।
2. हमें पैदल सदैव सड़क के बाई ओर या सड़क के दोनों और किनारों पर बने फुटपाथ पर चलना चाहिए।
3. सड़क हमेशा पैदलपार पथ या जेब्रा क्रॉसिंग से ही पार करनी चाहिए।

4. भूमिगत पैदल पारपथ का प्रयोग करने से समय भी बच जाता है, और दुर्घटना का भय भी नहीं रहता।
5. माता-पिता के साथ यात्रा करते समय उन्हें कभी तेज गाड़ी चलाने के लिए नहीं कहना चाहिए, और कभी अपना हाथ या मुंह वाहन की खिड़की से बाहर नहीं निकलना चाहिए।

(ग) 1. बाईं 2. फुटपाथ 3. ज़ेबरा क्रॉसिंग
4. लाल 5. चालक

(घ) 1. रागिनी ने अध्यापिका से
2. अध्यापिका ने रागिनी से।

(ङ) 1. (क) 2. (ख) 3. (ग)

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) 1. यातायात – स्कूटर एक यातायात का साधन है।
2. सड़क – हमें सड़क पर करते समय कुछ नियमों का पालन करना चाहिए।
3. नियम – हमें अपने जीवन को अच्छा बनाने के लिए नियमों के अनुसार कार्य करने चाहिए।
4. सुविधा – राजू के घर में सारी सुख सुविधा मौजूद है।
5. भूमि – किसान के लिए उसकी भूमि मां के समान हें

(ख) 1. कारें दौड़ रही थी।
2. बच्चे बस में चढ़ गए।
3. दुर्घटनाएं हो सकती हैं।
4. वे बाल-बाल बच गए।
5. लड़के खेल रहे हैं।

(ग) 1. उचित × अनुचित 2. अच्छा × बुरा
3. पास × दूर 4. सुखी × दुखी
5. ऊँचा × नीचा 6. कैद × आज़ाद

पाठ-3 स्वतंत्रता

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. स्वतंत्रता दिवस की खुशी में।
2. चिंटु और पिंटु
3. पिंटु को
4. मिट्ठू

लिखित

(ख) 1. गांधी मैदान चिंटू स्वतंत्रता दिवस का समारोह देखने जा रहा था।

2. गांधी मैदान में शेखर चाचा सफेद कुर्ते पजामे तथा सिर पर गांधी टोपी लगाए खड़े थे और बहुत से बच्चे हाथों में तिरंगा लिए खड़े थे।

3. हम सभी ने स्वतंत्र भारत में जन्म लिया है इसलिए हम स्वतंत्रता का मोल नहीं समझ पाते।

(ग) 1. गाँधी मैदान 2. स्वतंत्रता दिवस 3. गाँधी टोपी 4. तिरंगा

(घ) 1. (क) 2. (ख) 3. (क)

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) 1. स्वतंत्रता × परतंत्रता 4. अँधेरा × उजाला

2. दिवस × रात्री 5. बाहर × अंदर

3. देर × जल्दी 6. हँसना × रोना

(ख) 1. पिंटु 2. झुनिया 3. मिट्ठु 4. चिंटु 5. गांधी

(ग) 1. खुशी हंसी, प्रसन्नता 3. मछली मीन, मत्सय

2. श्याम सांयकाल, संध्या 4. बेबस असहाय, बेचारा

पाठ-4 भारत प्यारा

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. भारत 2. ऋषि-मुनियों ने

3. गंगा यमुना की 4. हिंद महासागर

लिखित

(ख) 1. हमारा भारत ऋषि-मुनियों जलनिधी हिंद, मनुजों और देवों को प्यारा है।

2. भारत में हारे हुए शत्रुओं को बंधु कहकर पुकारा है।

3. कवि ने भारत को आँखों का तारा कहा है।

(ग) 1. देश हमारा भारत प्यारा
सब देशों से न्यारा है।

2. मनुजों को ही नहीं, सदा यह
देवों को भी प्यारा है।

3. यह प्राणों से प्यारा हमको
यह आँखों का तारा है।

(घ) 1. (क) 2. (ख) 3. (क)

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(घ) 1. गंगा भगीरथी सुरनदी
2. चरण पैर पग
3. सूर्य सूरज रवि
4. रात निशा रजनी
5. दुनिया जगत संसार

(ख) 1. प्यार प्यार 4. मनुष्य मनुष्य
2. न्यारा न्यारा 5. पुस्तक पुस्तक
3. जन्म जन्म 6. ज्वाला ज्वाला

पाठ-5 साहसी बालक नेल्सन

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. होरेशियो नेल्सन 2. मौरिस साक्लेंग
3. रीछ 4. कप्तान

लिखित

(ख) 1. सागर के तट पर बसने वाले लोगों के लिए सागर में तैरना, नावों पर घूमना, जहाज पर दूर देश की यात्रा करना नित्य का खेल हैं
2. नेल्सन ने पिता से मां के लिए पत्र लिखवाया कि कृपया मुझे भी यह काम (नाविक का) सिखाइए।
3. जहाज की अविकसित तकनीक के कारण बर्फीली चट्टानों से टकराने का भय बना रहता था, तथा सागर में रहने वाले जंतुओं से भी भय बना रहता था। इसी कारण पहले समय में समुद्री यात्राएं बहुत भयानक होती थी।
4. नेल्सन ने गोलियां खत्म हो जाने पर अपनी बंदूक की बट से रीछ का मुकाबला किया।
5. नेल्सन बड़ा होकर इंग्लैड की जल सेना का सेनापति बना।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (ग)

(घ) 1. हाँ 2. नहीं 3. हाँ 4. नहीं

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) 1. समुदी समुद्री 5. पसन्नता प्रसन्नता
2. काय कार्य 6. बफीली बर्फीली
3. अफीका अफ्रिका 7. निभय निर्भय
4. वष वर्ष 8. धुव ध्रुव

(ख) 1. मौरिस साक्लेंग जहाज का कप्तान बना।
2. नेल्सन मामा अच्छे नाविक थे।

3. बंदूक की गोलियाँ समाप्त हो गई।
4. इंग्लैड की जलसेना के सेनापति बने।
5. मुझे रीछ से डर लगता है।

(ग) 1. आकाश – गगन
2. घर – आलय

मूल्यांकन : I

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क)

1.	गंगा	सुरनदी	भगीरथी
2.	चरण	पैर	पग
3.	रात	निशा	रजनी
4.	दुनिया	संसार	जगत

(ख)

1.	कुत्ते ने	कुत्तों ने	4.	हाथी से	हाथियों से
2.	आँख में	आँखों में	5.	रीति से	रीतियों से
3.	चूहे ने	चूहों ने	6.	तितली ने	तितलियों से

(ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

(घ) 1. नहीं 2. नहीं 3. हाँ 4. हाँ 5. नहीं

(ङ) 1. देश हमारा भारत प्यारा
सब देशों से न्यारा है।
2. बाई 3. फुटपाथ 4. चालक

(च) 1. (ख) 2. (क)

पाठ-6 मित्रता

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. राजा करण सिंह ने।
2. कुत्ते से
3. महावत को,
4. चोरों से
5. कुत्ता राजमहल आकर अपने मित्र हाथी के पास गया।

लिखित

(ख) 1. कुत्ते को देखकर यात्री सोचने लगा कि यदि ये कुत्ता मुझे मिल जाए तो घर की रखवाली की समस्या हल हो जाएगी।
2. कुत्ते के जाने के बाद हाथी ने खाना पीना छोड़ दिया तथा उसकी आंखों से दिन-रात आंसू बहते थे।

3. पशुओं के चिकित्सक ने बताया की हाथी को कोई बीमारी नहीं है इसे अवश्य ही कोई दुख पहुचा है।
4. राजा के आदेश पर कुत्ते को वापस राजमहल में उसके मित्र हाथी के साथ रहने के लिए बुला लिया गया।

(ग) 1. नहीं 2. नहीं 3. हाँ
4. हाँ 5. हाँ

(घ) 1. (ख) 2. (क) 3. (ख)

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) 1. अच्छी × बुरी 2. मित्रता × शत्रुता
3. निकट × दूर 4. कठिन × सरल
5. प्रसन्न × अप्रसन्न

(ख)

एकवचन	**बहुवचन**	**एकवचन**	**बहुवचन**
कुत्ता	कुत्तों ने	हाथी	हाथियों से
आँख	आँखो ने	रीति	रीतियों से
चूहे	चूहों ने	दरज़ी	दरजियों से
सुनार	सुनारों ने	तितली	तितलियों से

(ग) (2) वह

पाठ-7 सबके अपने-अपने काम

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. किसान 2. लच्छुराम 3. श्री नंदु हलवाई की

(ख) 1. दर्जी पैंट, बूशर्ट, ब्लाउज, कुर्त्ता, फ्रॉक आदि सभी तरह के कपड़े सिलता है। मम्मी पापा ने इनसे ब्लाउज और कुर्ता बनवाया।
2. मेरे घर में अलमारी, दीवान, दरवाजा, खिड़की, सोफा, कुर्सी, मेज आदि चीज बढ़ई ने बनाई है।
3. हवाई पेड़े, गुलाब जामुन, बालूशाही, बर्फी आदि मिठाइयाँ हलवाई बनाता है।

(ग) 1. लच्छूराम माली
2. दीनू काका दरज़ी
3. अकरम भाई हलवाई
4. नंदू बढ़ई
5. किसान अन्न, सब्ज़ी, फल

(घ) 1. (क) 2. (ख) 3. (ख)

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) विद्यार्थी स्वयं करें।

(ख) 1. सुनार 2. धोबी 3. कुम्हार

(ग) 1. सच – झूठ 2. बड़ा – छोटा
3. दिन – रात 4. बहार – अंदर

पाठ-8 सच्चा न्याय

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. खुंखार डाकू ने। 2. सिकंदर के सामने।
3. मकदूनिया की। 4. मनुष्य

लिखित

(ख) 1. एक खूंखार डाकू के आतंक की वजह से प्रजा में त्राहि त्राहि मच गई थी।

2. सिकंदर के सामने जंजीरों में जकड़े हुए डाकू का सिर झुका हुआ था, तथा उसके घावों से खून बह रहा था।

3. सिकंदर डाकू को घूरते हुए बोला कि "तू दया के योग्य नहीं है तो घोर पापी और अत्याचारी है जिसने मेरी प्रजा को लूटा है और असहाय लोगों का खून बहाया है तुझे तेरे पापों का दंड अवश्य मिलेगा तू अपनी सफाई में कुछ कहना चाहता है?"

4. सिकंदर महान के आश्वासन के बाद डाकू ने कहा कि आप अपने हृदय पर हाथ रखिए और शांत मंत्र से विचारीए की जिसने अनेक देशों को लूटा हो, हजार घर बर्बाद किए हो, बच्चों के सर से पिता का साया छीना हो, हजारों औरतों को विधवा किया हो, रक्त की नदियां बहाई हो आप उसे किस नाम से पुकारेंगे? क्या वह अन्यायी और हत्यारा नहीं कहलाएगा? क्या आप उसे भी मृत्यु दंड देंगे?

(ग) 1. सिकंदर महान 2. राज दरबार 3. सम्राट 4. शांति, स्तब्धता
5. भौचक्के

(घ) 1. (ख) 2. (क) 3. (क)

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क)	सुख	सुखी	तबाह	तबाही
	पाप	पापी	न्याय	न्यायी
	दुख	दुखी	पर	परी
	बंद	बंदी	प्राण	प्राणी
(ख)	धर्म	अधर्म	न्याय	अन्याय
	सहाय	असहाय	भय	अभय

	ज्ञानी	अज्ञानी	धीर	अधीर
	समय	असमय	समान	असमान
	नाम	अनाम	लगाव	अलगाव
(ग)	सुरीली	आवाज़	चालाक	लोमड़ी
	मीठा	आम	खट्टे	अंगूर

पाठ-9 जल ही जीवन

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. रोहित, मोहित और मीरा ने।

2. फ्रिज से ठड़ा पानी निकाल के पीते है।

3. पेड़-पौधों में।

4. नदियों, तालाबों, कूओं और वर्षा से हमें जल प्राप्त होता है।

लिखित

(ख) 1. कक्षा में जाने से पहले अध्यापिका जी ने नल बंद किया।

2. प्यास लगने पर पानी ना मिले, तो हम प्यास से ही मर जाएंगे।

3. सूखी नदियों और तालाबों में वर्षा के द्वारा जल भर जाता है।

4. जल की बचत करने के लिए हम उतना ही जल उपयोग करें जितनी जरूरत हो, जैसे नहाते समय बाल्टी और मग प्रयोग करें, प्रतिदिन फर्श धोने के स्थान पर पोंछा मार कर साफ कर ले, फल-सब्जियां धोने के बाद बचे पानी को पेड़ पौधों में डाल दें आदि।

5. पानी के बिना, दुनिया के सभी जीव मर सकते हैं। पानी केवल पीने के लिए ही नहीं, बल्कि हमारे दैनिक जीवन के उद्देश्यों जैसे- स्नान, खाना पकाने, सफाई और कपड़े धोने आदि के लिए भी आवश्यक है। जल हाइड्रोजन के दो और ऑक्सीजन के एक परमाणु से मिल कर बनता है।

(ग) 1. हाँ 2. नहीं 3. हाँ 4. हाँ 5. नहीं

(घ) 1. अध्यापिका ने बच्चों से

2. मोहित ने शिक्षिका से

3. रोहित ने दिनेश से

(ङ) 1. (क) 2. (ख)

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) 1. जल नीर पानी

2. तालाब ताल जलवान

3. सागर समुद्र जलनिधि

4. वर्षा बरसात बारिश

(ख) 1. प्यास — मुझे बहुत प्यास लगी है।
2. नदी — गंगा नदी का पानी हमेशा साफ रहता है।
3. पौधे — पौधे वायु को स्वच्छ बनाते है।
4. सन्नाटा — उस गाँव में बहुत सन्नाटा था।

पाठ-10 शौक़ीन बिल्ली

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. शौकीन बिल्ली का नाम शानू था।
2. शौकीन बिल्ली दिल्ली में रहती थी।
3. बिल्ली ने कोट जामा मस्जिद के मीना बाजार से लिया था।
4. दीनू बंदर ने एक नई जैकिट खरीदी थी।
5. शौकीन बिल्ली दीनू बंदर से ईर्ष्या करती थी।

(ख) 1. शानू बिल्ली भारत की राजधानी दिल्ली में रहती थी।
2. शानू बिल्ली देखने में रूपवती थी।
3. शानू बिल्ली अभिमानी थी।
4. शानू बिल्ली अन्य पशुओं पर धाक जमाना चाहती थी।
5. शानू बिल्ली की तरह दीनू बंदर शौकीन था।
6. शानू बिल्ली जोहड़ में फिसल कर गिर पड़ी।

(ग) 1. याचना 2. ईर्ष्या 3. रूपवती
4. स्नेहशील 5. अहंकार

(घ) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗
4. ✗ 5. ✓ 6. ✓

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क)	आईना	सुंदर	देखना
	शीतल	सम्मान	जलन
(ख)	अनादर	दूर	अहंकार
	ऊँचा	आलोचना/उलाहना	सीमित
(ग)	शौकीन	ईर्ष्यालु	लज्जित
	रूपसी	अभिमानी	रंगीन

बाल कलाकार

कोट दर्पण जैकिट

मूल्यांकन : II

(क) 1. नहीं 2. नहीं 3. हाँ

(ख) 1. सुनार 2. धोबी

(ग) 1. सम्राट 2. राजदरबार 3. सिकंदर महान 4. शांति, स्तब्धता

(घ) 1. हाँ 2. नहीं

(ङ) 1. याचना 2. ईर्ष्या 3. रूपवती

(च) 1. अध्यापिका जी ने 2. जल

प्रश्न पत्र: I

(क) 1. भाप 2. मीठे फल

(ख) 1. फुटपाथ 2. पैदल पारपथ

(घ) 1. गाँधी मैदान 2. स्वतंत्रता-दिवस

(ङ) आईना सुंदर देखना

शीतल सम्मान जलन

(च) 1. समुद्री 2. कार्य 5. प्रसन्नता 6. बर्फीली

(छ) 1. बुरी 2. शत्रुता 3. दूर 4. सरल

(ज) 1. लच्छूराम - माली

2. दीनू काका - दरज़ी

3. अकरम भाई - बढई

(झ) 1. बुरी 2. शत्रुता 3. दूर 4. सरल

(ञ) 1. सम्राट 2. राजदरबार

(ट) 1. शिक्षिका ने बच्चों से कहा 2. मोहित ने शिक्षिका से कहा

3. रोहित ने दिनेश से कहा

(ठ) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗

पाठ-11 दोष-रहित कौन?

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. बच्चों ने बातचीत हेतु बापू को घेरा।

2. बापू ने पहला प्रश्न गिनती के विषय में किया।

3. सम संख्याएँ कहलाती है।

4. विषम संख्याएँ कहलाती है।

5. सदा सत्य बोलना दोष रहित होने का एकमात्र तरीका है।

(ख) 1. बच्चों ने गाँधी जी को बातचीत के लिए घेरा।

2. गाँधी जी ने बच्चों से पहले प्रश्न गिनती के विषय में किया।

3. दो से विभाज्य संख्याएँ सम संख्याएँ होती है।

4. दो से अविभाज्य संख्याएँ विषम संख्याएँ कहलाती है।

5. मनुष्य दोषों का पुतला माना जाता है।

(ग) 1. सत्यवादी 2. स्वीकार 3. दोष-रहित 4. भूल 5. परमात्मा

(घ) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) जनक वार्तालाप गणना
कतार अध्यापक भगवान

(ख) विषम असंभव सहित
असत्य गुण अस्वीकार

(ग) प्रसन्नता समता विषमता
संभवत: चुपचाप मुस्कुराहट

(घ) 1. चोर को पकड़ने पर पुलिस ने मोहन की पीठ ठोकी।
2. मैंने इस बार कक्षा में प्रथम आने का प्रण लिया है।

(ङ) संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।
1. मैं 2. यह 3. तुम 4. वह

बाल कलाकार

महात्मा गांधी

छात्र

जवाहरलाल नेहरू

पाठ-12 जादुई संचार

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. कनिका ने अपने मित्र को पत्र लिखा।
2. कनिका अपने पिताजी के साथ दादी जी के गाँव गई थी।
3. ग्राहम बेल का जन्म 1847 एडिनबर्ग में हुआ था।
4. ग्राहम बेल ने टेलीफोन का यंत्र 27 वर्ष की अवस्था में तैयार किया था।
5. टेलीफोन का शाब्दिक अर्थ 'टेली' यानी 'दूर' और 'फोन' यानी 'ऐसा उपकरण जो ध्वनि का उपयोग करता है।' इसलिए इन दोनों शब्दों को मिलाकर टेलीफोन का अर्थ है–ऐसा उपकरण जो दूर की आवाज को पास लाता है।

(ख) 1. कनिका का पत्र लिखने का उद्देश्य अपने मित्र को गाँव के बारे में और अपनी यात्रा के बारे में बताना था।
2. पिताजी ने कनिका को ग्राहम बेल के बारे में बताया कि उन्होंने टेलीफोन यंत्र खोज की थी।
3. ग्राहम बेल का स्वप्न 'ध्वनि को बिजली के द्वारा उत्पादन' करना था।
4. उस समय टेलीफोन पर यह चेतावनी चिपकाई जाती थी कि 'अपने मुंह से मत सुनिए' और 'कान से मत बोलिए'।
5. ग्राहम बेल के द्वारा बनाया गया 'टेलीफोन' यंत्र एक बॉक्स कैमरे की तरह था। बॉक्स के सिरे पर गोल-सा उपकरण बाहर रहता था। वह ट्रांसमीटर और रिसीवर दोनों का काम करता था।

(ग) 1. साक्षी 2. दादी 3. एडिनबर्ग
4. ग्राहम बेल 5. चाह

(घ) 1. ग्राहम बेल ने 2. 27 वर्ष 3. 1847 में

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. बच्चे 2. बोतले 3. दवाइयाँ
4. मालाएँ 5. चादरें 6. तस्वीरें

(ख) छात्र स्वयं करें।

(ग) 1. काला 2. शीतल 3. ठंडी 4. गरम

पाठ-13 बैक्टीरिया : हमारे मित्र

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. इंदु को
2. बैक्टीरिया
3. आयरन, विटामिन-बी12 विटामिन-डी।
4. एक्वीफिंकस
5. दही, भटूरे, केक, मिठाईयाँ, मक्खन, सिरका जैम, जैली, अचार आदि।

लिखित

(ख) 1. कक्षा में आकर मास्टर जी ने इंदु से पूछा, कोई चोट वोट तो नहीं लगी?
2. जब से इंदु ने किसी के मुंह से सुना की बैक्टीरिया के कारण कई भयानक रोग लग जाते हैं, तब से उसने पार्क में खेलना कूदना बंद कर दिया।
3. बैक्टीरिया के बारे में सबसे बड़ा भ्रम है कि यह सिर्फ और सिर्फ हमारा बुरा ही करते हैं।
4. बैक्टीरिया हमारी त्वचा की साफ सफाई का ध्यान रखते हैं, हमारे शरीर के भीतर अवशिष्ट पदार्थ यानी मल को बाहर निकलते हैं, हमारे पेट और आंतों में उपस्थित भोजन को पचाते हैं तथा हानिकारक जीवाणुओं विषाणुओं को भी पनपने से रोकते हैं। यह हमारे शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाते हैं।
5. दूध में दही की कुछ बूदें डाल दी जाती है, जिससे बैक्टीरिया बड़ी तेजी से अपनी संख्या बढ़ाते हैं और दही जमा देते हैं।

(ग) 1. नहीं 2. हाँ 3. नहीं 4. हाँ

(घ) 1. (क) 2. (ख) 3. (ग)

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क)

प्रवेश	×	निकास	हानिकारक	×	लाभदायक
आरंभ	×	अंत	भीतर	×	बाहर
सरलता	×	कठिनता	अगली	×	पिछली
उच्च	×	निम्न	सुरक्षित	×	असुरक्षित

(ख) 1. राजीव कुछ खा रहा है।
2. सीता देर से सो रही है।
3. गाड़ी तेज बढ़ने लगी।
4. हमें राम को कम खिलाना चाहिए।

(ग)

	किंतु	किंतु राम कल यहाँ नहीं आया।
पर	परंतु	यह तो ठीक है परंतु तुम कहाँ थे।
	लेकिन	मैं कल जा रहा हूँ लेकिन तुम परसो आ जाना।
	मगर	वे सब मान गए है मगर बाकी बातें तुम जानो।
फूल	पुष्प	ये पुष्प स्वागत के लिए है।
	सुमन	सारी तरफ सुमन ही सुमन है।

पाठ-14 अनमोल वचन

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. परबत की 2. पंडित 3. सूप के जैसा 4. बृच्छ या वृक्ष

लिखित

(ख) 1. कबीर जी ने सभी के लिए फूल बोने की बात कही है, क्योंकि फूल बोने से फूल ही मिलेगे।
2. सूप का स्वभाव सार्थक को बचाने वाला और निरर्थक को उड़ाने वाला होता है।
3. कबीर जी ने प्रभु से कहा है कि आप मुझे इतना दीजिए की जिसमें मैं भी भूखा ना रहूं, और मेरे द्वार पर आने वाला साधु भी भूखा ना जाए।
4. दूसरों के हित के लिए साधु शरीर धारण करते हैं।

(ग) 1. कबीर मानते हैं कि बड़ी-बड़ी पुस्तकें पढ़ कर संसार में कितने ही लोग मृत्यु के द्वार पहुंच गए, पर सभी विद्वान न हो सके। यदि कोई प्रेम या प्यार के केवल ढाई अक्षर ही अच्दी तरह पढ़ ले, तो वही सच्चा ज्ञानी होगा।
2. कबीर मानते हैं कि हे प्रभु मुझे अधिक धन और संपत्ति नहीं चाहिए, मुझे केवल इतना दीजिए जिसमें मेरा परिवार अच्छी तरह से पेट भर सके। मैं भी भूखा ना रहूं और न मेरे घर से कोई भी जरूरतमंद/अतिथि भूखा जाये।

(घ) 1. (क) 2. (ख) 3. (ख)

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क)

1. साईं	प्रभु	4. आखर	अक्षर
2. माहिं	की तरह	5. सुभाय	शोभित
3. मुआ	बेजान	6. वृच्छ	वृक्ष

(ख) 1. जग में बहुत सुंदर पक्षी है।
2. हमे प्रेम बाँटना चाहिए।
3. गुलाब के फूल में काँटा भी होता है।
4. मेरा कुटुंब बड़ा है।
5. यह फल मेरी मेहनत का है।

(ग)

संज्ञा	सर्वनाम
1. साधु	वाको
2. परबत	कछु
3. पंडित	कोय
4. सूप	मैं
5. तिरशुल	तो

पाठ-15 भेदभाव से परे

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. पंडित
2. कुम्हार से
3. दूध दुहते हैं।
4. बढ़ई को
5. जंगल या पहाड़ पर।

(ख) 1. पंडित जी स्वभाव से कट्टरपंथी थे, लेकिन पंडिताइन समझदार थी।
2. पंडिताइन ने पंडित को सूखी रोटियां इसलिए परोसी क्योंकि जिस हांडी में सब्जी बनाई थी वह कुम्हार के घर की थी।
3. पंडिताइन ने सोचा कि बढ़ई के लड़के के हाथ से बनी खाट पर तो पंडित जी सोएंगे नहीं इसलिए उसी को दे दी।
4. अंत में पंडितजी बोले, "मेरी नासमझी से सब कुछ गड़बड़ हो रहा था मैं स्वयं तो दुखी रहता ही था अपने बुरे व्यवहार से दूसरों को भी दुखी कर देता था।"
5. इस कहानी से हमने यह सीखा की कोई किसी से जाति पाति में ऊंचा या नीचा नहीं है, हम सभी को जीने और आराम करने के लिए एक दूसरे की सहायता की जरूरत पड़ती है।

(ग) 1. ऊँचा 2. ऊँच, नीच 3. रोटियाँ
4. बढ़ई 5. मिस्त्री-मजदूरों

(घ) 1. (ख) 2. (क) 3. (ख)

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) 1. जाति — हमे जाति-पाति का भेदभाव नहीं करना चाहिए।
जाती — रमा रोज जंगल जाती है और मीठे फल ले आती है।
2. ओर — तुम पूर्व दिशा की ओर जा रहे हो तो मैं भी चलता हूँ।
और — सुमन और कुसुम दो सहेलियाँ है।

(ख) (ग) उसे

मूल्यांकन : III

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1.	कपट	धोखा	4. उपाय	तरीका
2.	कठिनाई	मुश्किल	5. प्रशंसा	तारीफ
3.	जीव	प्राणी	6. निकट	पास

(ख) 1. कपटी सारस ने उपाय बताया।
2. साहसी केकड़ा पूरी बात समझ गया।
3. सारस मछलियों को गहरे तालाब तक ले गया था।
4. वृद्ध सारस को केकड़े ने मार दिया था।

(ग) 1.	बच्चा	बच्चे	4. माला	मालाएँ
2.	बोतल	बोतलें	5. चादर	चादरें
3.	दवा	दवाएँ	6. तस्वीर	तस्वीरें

(घ) 1. हाँ 2. नहीं 3. हाँ
4. नहीं 5. नहीं

(ङ) 1. साक्षी 2. दादी 3. चाह
4. ऐडिनबर्ग 5. ग्राहम

(च) 1. (क) 2. (ख)

पाठ-16 आओ तामिलनाडु चलें

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. तिकानी 2. चेन्नई 3. चिदंबरम 4. कावेरी नदी

लिखित

(ख) 1. तमिलनाडु में नहरों का जाल बिछा हुआ है जिससे सारा भू-भाग उपजाऊ बना रहता है।
2. इडली, डोसा, उपमा, पोंगल, सेवई, उत्तपम और वड़ा।
3. मीनाक्षी मंदिर अपनी वास्तुकला और सुंदरता के लिए विश्व प्रसिद्ध है।
4. तमिलनाडु की भाषा तमिल है।

(ग) 1. नटराज की मूर्ति — चिदंबरम
2. मीनाक्षी मंदिर — मदुरै
3. महाबलीपुरम् — चेन्नई
4. पल्लवों के द्वारा बनवाए मंदिर — काँचीपुरम्

(घ) 1. (क) 2. (ख) 3. (क)

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) 1. मंदिरों 2. तटो 3. नहरों 4. प्रातों 5. मछलियाँ

(ख) 1. पर्यटक यात्री 3. विभाजित बाँटना
2. रमणीय सुंदर 4. भव्य सुंदर

(ग) मीनाक्षी मैरीना चिदंबरम पल्लव शिवजी

पाठ-17 अशफाक उल्ला खाँ

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. वीर स्वतंत्रता सेनानी।
2. शाँहजाहपुर के एक पठान परिवार में।
3. रामप्रसाद बिस्मिल
4. फाँसी की

लिखित

(ख) 1. अशफ़ाक का बचपन देश प्रेम की कविताएं लिखते, बंदूक से शिकार करते, नदी में तैरते और घुड़सवारी करते हुए गुजरा।
2. युवक अशफ़ाक की सदैव यही इच्छा रहती कि उनकी भेंट किसी ऐसे व्यक्ति से हो जाए जो किसी क्रांतिकारी दल का सदस्य हो।
3. काकोरी स्टेशन पर अशफ़ाक और उनके साथियों ने सरकारी खज़ाना लूटा जिसके कारण उन्हें पुलिस ने फांसी की सजा सुनाई।
4. भाइयों को रोते देख अशफ़ाक बोले, "यह तो प्रसन्न होने का अवसर है, अंग्रेजों ने देश पर कब्जा कर लेने की योजना बनाई है। स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए यदि प्राणों की बाजी भी लग जाए तो क्या! मैं मातृभूमि के लिए प्राणों की बाजी लग रहा हूँ।
5. अशफ़ाक की इच्छा और उनके भाई से हुए वार्तालाप को सुनकर यह पता चलता है कि वह मृत्यु से नहीं डरते थे।

(ग) 1. हाँ 2. हाँ 3. नहीं 4. हाँ 5. हाँ

(घ) 1. (क) 2. (ग)

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) 1. बचपन बचपन 4. सरकारी सरकारी
2. देसप्रेम देशप्रेम 5. अबसर अवसर
3. इस्टेशन स्टेशन 6. मुकद्मा मुकद्दमा

(ख) 1. अशफ़ाक 2. कुरान शरीफ 3. शाहजाँहपुर
4. मैनपुरी 5. रियासतुल्ला खाँ

(ग) पौधा पानी

पाठ-18 सारस का अंत

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. सारस
2. तालाब में मछलियाँ, मेढक और केकड़े रहते थे।
3. वृद्ध होने के कारण वह पहले की तरह फुर्तीला नहीं रह गया था। जिस कारण वह एक दो मछली ही पकड़ पाता था, और भूखा रह जाता था।
4. जलीय जीव
5. केकड़े ने।

लिखित

(ख) 1. वृद्ध होने के कारण अब सारस में पहले जैसी फुर्ती नहीं रह गई थी, इसलिए वह मछलियां नहीं पकड़ पाता था।
2. सारस ने अपनी चिंता का कारण तालाब का पाटा जाना बताया।
3. मछलियों, मेंढकों और केकड़ों ने सारस से उनको दूसरे तालाब तक ले जाने की विनती करी।
4. दूसरे तालाब तक ले जाने के बहाने से सारस मछलियों को खा जाता।
5. सारस की असलियत जानने के बाद केकड़े ने सारस की गर्दन पर अपने नुकीले पंजे मार-मार कर उसकी गर्दन को काट दिया।

(ग) 1. हाँ 2. नहीं 3. नहीं 4. नहीं 5. हाँ

(घ) 1. (क) 2. (ख) 3. (क)

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) 1. कपट धोखा 4. जीव प्राणी
2. कठिनाई मुश्किल 5. निकट पास
3. उपाय तरीका 6. प्रशंसा तारीफ

(ख) 1. <u>कपटी</u> सारस ने उपाय बताया।

2. साहसी केकड़ा पूरी बात समझ गया।
3. सारस बड़ी लकड़ी में टाँगकर मछलियों को ले जाने लगा।
4. सारस मछलियों को गहरे तालाब तक ले गया था।
5. वृद्ध सारस को केकड़े ने मार दिया था।

(ग) 1. आकाश नभ गगन
2. मछली मीन मत्सय
3. पृथ्वी धरा जमीन
4. तालाब ताल जलवान

पाठ-19 फूल और काँटा

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. फूल तथा काँटे एक ही जगह में जन्म लेते हैं।
2. फूल तथा काँटे पर मेह एक सा जल बरसाता है।
3. काँटे का अवगुण यह है कि वह चोट पहुचाँता है।
4. फूल वातावरण में सुगंध फैलाता है।
5. काँटा सबकी आँखों में खटकता है।
6. फूल देवताओं के शीश पर शोभा देता है।

(ख) 1. फूल तथा काँटे पर चाँद चाँदनी डालता है।
2. फूल और काँटे पर मेह एक सा जल बरसाता है।
3. फूल और काँटे के व्यवहार सामान नहीं होते।
4. काँटा अपने अवगुण से उँगलियों, तितलियों के पैर, और वस्त्रों को हानि पहुँचाता है।
5. फूल अपने गुणो से भौंरो और तितलियों को प्रसन्न करते हैं।
6. आदमी की प्रशंसा उनके अच्छे गुणों से होती है।

(ग) 1. खटकता 2. वस्त्र 3. रस 4. सुगंध 5. फूल

(घ) 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓

(ङ) 1. पौधे पर
2. वातावरण में
3. छेदना
4. निजी गुण से

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) चंद्रमा वायु वस्त्र
शरीर अंक अद्‌भुत

(ख) दिन खेत दुर्गंध

	मृत्यु	छोटापान	असुर
(ग)	बड़प्पन	अनूठापन	निरालापन
	पालन	बारिश	चमक

बाल कलाकार

गुलाब तितली नागफनी कांटे

पाठ-20 वृक्षों का महत्तव

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. दक्षिण भारत में 2. बादल
3. वन में वृक्ष के नीचे 4. शत्रु राजा ने
5. राजा ने समस्त वृक्ष कटवा दिए

(ख) 1. राजा वीरसेन दयालु, साहसी तथा प्रजापालक थे।
2. राजा वीरसेन आखेट हेतु निकटवर्ती वन में गए।
3. तेज आँधी के कारण एक मोटी शाखा टूट कर राजा के घोड़े के सिर पर आ गई और गहरी चोट लगने के कारण घोड़े की तत्काल मृत्यु हो गई।
4. राजा ने पेड़ों को कटवाने का आदेश दिया।
5. राजा वीरसेन को सारे पेड़ों के कटवाने के आदेश देने पर पछतावा हुआ और अपनी भूल का आभास हुआ।

(ग) 1. धन्यवाद 2. अन्यथा 3. शासन 4. लगाव 5. दुर्भाग्य

(घ) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✓

(ङ) 1. बादल 2. तेज आंधी 3. अनुचित 4. इस पेड़ ने

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क)	गंभीर	दयावान	नभ
	निधन	विनती	हुक्म
(ख)	अनादर	छिछला	निर्दोष
	अप्रिय	प्रेम	अनेक
(ग)	दयालु	दोषी	मृत
	स्थानीय	पराजित	भारतीय
(घ)	दोष	मृत	पछतावा
	वापसी	आसानी	आवश्यकता

पाठ-21 दशहरा

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. भगवान श्रीराम से है।
2. दशानन शब्द से बिगड़कर दशहरा बना है।
3. विजयदशमी 4. मेघनाथ 5. कुंभकर्ण 6. रामनवमी

(ख) 1. दशहरे का त्योहार भगवान श्री राम के समय से चला आ रहा है।
2. दस मुखो वाला
3. दशहरा त्यौहार आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशम् तिथि को मनाया जाता है।
4. दशहरा असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है।
5. रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतले जलाए जाते हैं।

(ग) 1. उत्सुक 2. प्रतीक 3. विजय 4. मंचन

(घ) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓

(ङ) 1. दशानन 2. तीन 3. दशमी 4. रामलीला

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) चाँद ईश्वर दसमुखी
झूठ वस्त्र सामने

(ख) पराजय हल्का अंत
कृष्ण असत्य सूर्योदय

(ग) वार्षिक विजय दसमुखी
अंतिम नाटकीय पाठ्य

(घ) विशेषण–जो शब्द संज्ञा की विशेषता बताता है, उसे विशेषण कहते हैं।
1. चार 2. काली 3. एक किलो

पाठ-22 बोल का मोल

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. तीन बेटे थे। 2. व्यापारी 3. सबसे छोटा बेटा
4. हमें अपने बोल का मोल समझना चाहिए।

(ख) 1. बूढ़ा आदमी और तीनों बेटे अपने घर इसलिए जाना चाहते थे क्योंकि यात्रा लंबी हो जाने के कारण खाने-पीने की वस्तुएं खत्म है।
2. बूढ़े ने अपने लड़कों से कहा उस बैलगाड़ी वाले से खाने के लिए कुछ मांगो।
3. व्यापारी सबसे छोटे बेटे के साथ उसके मीठे उसके मीठे बोल सुनकर आ गया।
4. बूढ़े आदमी ने व्यापारी को आया देखकर अपने दोनों बेटे से कहा "देखो और सोचो" जिसने जैसा आचरण किया उसे वैसा ही माल मिला। अब तो तुम बोल का माल समझ ही गए होंगे। सच है मीठी बोली से सब काम बन जाते है।

(ग) 1. आचरण, बोलचाल 2. पकवान, मिठाइयाँ 3. सुख
4. मंजिले 5. मित्र, न्योछावर

(घ) 1. बूढ़े ने अपने बेटों से कहा।
2. छोटे बेटे ने व्यापारी से कहा।
3. व्यापारी ने बूढ़े के छोटे बेटे से कहा।

(ङ) 1. तीन 2. बैलगाड़ी में 3. बड़े लड़के को

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) 2. गाड़ीवन 3. व्यापारी 4. प्रशंसक

(ख) 1. बेटे थे। 2. एक समय की बात है।
3. वह दो दिन से भूखे थे। 4. हमें बहुत प्यास लगी है।

मूल्यांकन : IV

(क) 1. चिदंबरम 2. मदुरै 3. चेन्नई 4. काँचीपुरम्

(ग) 1. कपटी 2. साहसी 3. बड़ी 4. गहरे

(घ) 1. पौधे पर 2. मौसम में

(ङ) 1. उत्सुक 2. प्रतीक 3. विजय 4. मंचन

प्रश्न पत्र: II

(क) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓

(ख) 1. बच्चें 2. बोतले 3. दवाइयाँ 4. मलाएँ
5. चादरे 6. तस्वीरे

(ग) निकास अंत कठिनत लाभदायक
बाहर पिछली

(ङ) 1. इस जग की कुछ रतियाँ विचित्र है।
2. प्रेम से मनुष्य जीत जाता है।
3. फूल और कांता का एक सुंदर कविता है।
4. सारा संसार ही कुटुंब है।
5. फल सेहत के लिए लाभदायक होते हैं।

(च) 1. पंडिताइन ने।
2. पंडित जी को।
3. सब्जी फेंक दिया था।

(छ) 1. मंदिर 2. तट 3. नहर 4. प्रांत 5. मछली

(ज) 1. बचपन 2. देशप्रेम 3. स्टेशन 4. सरकारी 5. अवसर
6. मुकदमा

(झ) 1. हाँ 2. नही 3. हाँ 4. नहीं 5. हाँ

(ञ) 1. धन्यवाद 2. अन्यथा 3. शासन 4. लगाव 5. दुर्भाग्य

(ट) 1. बूढ़े ने अपने बेटों से कहा। 2. छोटे बेटे ने व्यापारी से कहा।
3. व्यापारी ने छोटे बेटे से कहा।

(ठ) 1. बूढ़े आदमी के तीन बेटे थे। 2. एक समय की बात है।
3. वह दो दिन से भूखे थे। 4. हमें बहुत प्यास लगी है।

पाठमाला - 4

पाठ-1 कैसे एकाग्रचित्त बनें

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. पाठ के अनुसार लोगों को अकसर यह कहते हुए सुना जाता है कि मेरी स्मरणशक्ति कमजोर है।

2. अकसर उन विशेष बातों को हम याद रख पाते हैं, जिन बातों से हमें रस मिलता है।

3. जब हमे कोई बात या नाम या अन्य विषय पूरी तरह स्मरण हो।

4. इस पाठ के लेखक विट्ठलदास मोदी हैं।

लिखित

(ख) 1. लेखक ने स्मरण शक्ति को बढ़ाने के लिए निम्न उपाय बताएँ हैं।

(क) जिस विषय को आप याद रखना चाहते हैं उसमें जिज्ञासा रखिए।

(ख) जिस विषय को आप याद रखना चाहते हैं उसे याद करते समय अपने मस्तिष्क से अन्य विचारों को निकाल दीजिए।

(ग) जिस विषय को आप याद करना चाहते हैं उसे मन में कम से कम एक बार जरूर दोहरा लीजिए।

2. किसी वस्तु को भूलने के पीछे कई कारण होते हैं; जैसे– (क) संपूर्ण एकाग्रता नहीं होना। (ख) किसी विशेष विषय में हमारा रस ना होना। (ग) किसी विषय को दोबारा न दोहराना।

3. अपनी रखी हुई चीज़ों को भूलने के पीछे यह कारण होता है कि हम उन चीज़ों पर पूरा ध्यान नहीं लगा पाते।

4. स्मरण-शक्ति अच्छी होना इसलिए आवश्यक है क्योंकि यह स्कूल, कॉलेज व जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में काम आती है। इसकी मदद से हम नई व उन्नत तकनीकों तथा परिवर्तनों को तेजी से आत्मसात कर पाते हैं।

(ग) 1. रस 2. स्मरणशक्ति 3. दोहरा 4. रस

(घ) 1. (क) 2. (ख) 3. (घ) 4. (क)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. व्यक्ति 2. सैकड़ा 3. बात 4. मुकदमा
5. वस्तु 6. लड़का

(ख) 1. धारणा – राय – कुछ लोगों की धारणा है कि टी॰ वी॰ तनाव मुक्त होने का साधन है।

2. स्मरण – याद – राम को अपनी पुस्तक के सभी पाठ स्मरण है।

3. जिज्ञासा – उत्सुकता – जिस विषय में हमें जिज्ञासा होती है वह आसानी से नहीं भूलाया जाता।

4. सारांश – सार – पाठ का सारांश दोहरा लो।

5. प्रतीति – जानकारी – मुझे इस विषय की कोई प्रतीति नहीं है।

(ग) 1. संज्ञा – आत्माराम रामस्वरूप मुन्नी मानकयंद

2. सर्वनाम – मुझे वे वह कुछ

(घ) 1. (घ) 2. (ग) 3. (ग)

पाठ-2 अन्याय के विरोध में

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. जूलिया को लेखक के यहाँ काम करते हुए दो महीने हुए थे।

2. नौ रविवार और तीन छुट्टियों के लिए लेखक ने बारह रूबल काटे।

3. जूलिया को लेखक की पत्नी ने तीन रूबल दिए थे।

4. लेखक ने जूलिया को अंत में ग्यारह रूबल दिए।

लिखित

(ख) 1. जूलिया ने जहाँ-जहाँ कार्य किया, वहाँ उसे एक भी पैसा न मिलता था इसलिए लेखक के द्वारा तन्ख़्वाह दिए जाने पर जूलिया ने उनको धन्यवाद दिया।

2. लेखक जूलिया को सबक सिखाना चाहता था कि अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए तुम्हें इस कठोर, निर्मम और हृदयहीन संसार से अपने दाँतो और पंजों के साथ लड़ना होगा।

3. लेखक ने जूलिया के दस रूपये इसलिए काटे क्योंकि उसकी नज़र बचाकर कोल्या पेड़ पर चढ़ गया जिसके कारण खरोंच लगकर उसकी जैकेट फट गई।

4. जूलिया ने जब चुपचाप रूपये ले लिए तो लेखक को क्रोध इसलिए आया क्योंकि लेखक ने उसे ठग लिया था, उसके पैसे हड़प लिए थे फिर भी जूलिया ने उसको धन्यवाद दिया और चुपचाप रही।

5. अंत में लेखक ने जूलिया को समझाया की "इस संसार में दब्बू और बोदे लोगों के लिए कोई जगह नहीं होती..... कोई भी जगह नहीं।"

(ग) 1. लेखक ने जुलिया से कहा 2. जुलिया ने लेखक से कहा

(घ) 1. हाँ 2. हाँ 3. हाँ 4. नहीं

(ङ) 1. (ख) 2. (क) 3. (ख) 4. (ख)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. वेतन 2. रविवार 3. तश्तरी 4. पोशाक

5. सप्ताह 6. भरोसा

(ख) देवालय हिमालय भोजनालय कार्यालय शिवालय

(ग) बहुवचन – डायरियाँ प्लेटे जूते महीने

(घ) 1. (ग) 2. (क) 3. (ख)

पाठ-3 बसंत

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. बसंत आने से जग में सुंदरता छा गई है।

2. बसंत ने पतझड़ का अंत कर दिया है।

3. पवन खुशबू लेकर बह रही है।

4. बसंत के आने पर भौंरे नया गीत गा रहे हैं।

5. कुहू की तान कोयल छेड़ती है।

लिखित

(ख) 1. बंसत के आने पर सरसों के खेतों में फूल उठती है। डाल पर आमों की बौरें झूम उठती हैं। बेलों में नए फूल आने लगते हैं। पवन में सुगंध आने लगती है। चारों तरफ हरियाली ही हरियाली छा जाती है। भौरें और कोकिला नया गीत गाने लगते हैं।

2. बसंत आने पर पतझड़ का अंत हो गया है।

3. बसंत के आने पर सभी जीव जंतुओं के प्राण सुखी हो जाते हैं।

4. 'घर-घर में छाए नित बसंत के माध्यम से कवि बतलाना चाहता है कि, बसंत आने पर चारों तरफ हरियाली-ही-हरियाली छा जाती है। फिर चाहे वह घर हो या बाहर सब तरफ फूलों की सुगंध फैल जाती है।

5. बसंत के आने पर सर्दी कम हो जाती है।

(ग) 1. शोभा अनंत 2. बौरें आमों

3. पतझड़ का अंत 4. सुगंध पवन

5. कोकिला कुहू

(घ) 1. शोभा 2. पतझड़ 3. हरियाली

(ङ) 1. (ग) 2. (क) 3. (ग) 4. (घ)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. अंत – वसंत ऋतु के आते ही पतझड़ का अंत हो गया।

2. दुर्गंध – बच्चों! कक्षा में यह दुर्गंध कहाँ से आ रही है।

3. अकाल – वर्षा न होने के कारण गाँव में अकाल पड़ गया।

4. कर्कश – मालती कभी भी किसी से कर्कश आवाज़ मे बात न करती थी।

5. दुखी – रामदीन अपनी बीमारी को लेकर बहुत दुखी रहता था।

6. पुराना – मेरे विद्यालय में एक पुराना पीपल का पेड़ है।

(ख)

अन	+	अंत	–	अनंत	दिक	+	अंत	– दिगंत
बसंत	+	उत्सव	–	वसंतोत्सव	महा	+	उत्सव	– महोत्सव
सूर्य	+	उदय	–	सूर्योदय	मम	+	एव	– ममत्व
भानु	+	उदय	–	भानूदय	पर	+	अधीन	– पराधीन
देव	+	ऋषि	–	देवर्षि	हित	+	उपदेश	– हितोपदेश

(ग) 1. (घ) 2. (क) 3. (ग)

पाठ-4 नेकी और इंसानियत

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. एक महिला उदास बैठी हुई थी।

2. महिला हँडिया के नीचे आग जला रही थी।

3. उमर फ़ारूक का स्वभाव बहुत ही नेक था।

4. उमर फ़ारूक रास्ते में एक तंबू देखकर ऊंट से उतर गए।

5. अज़रबेजान के गवर्नर का नाम 'अतबा बिन फ़रकद' था।

लिखित

(ख) 1. महिला ने चूल्हे पर हँडिया बच्चों को बहलाने के लिए चढ़ा रखी थी।

2. माँ और बच्चे की दशा देखकर उमर फ़ारूक तेज़-तेज़ कदमों से शहर की ओर वापस लौटे और एक बोरे में आटा, घी, दाल, खजूर और खाने का दूसरा सामान लाकर महिला को दे दिया।

3. उमर फ़ारूक ने बूढ़ी महिला को पास के गाँव से कुछ खाने पीने का सामान तथा कपड़े लाकर दिए।

4. उमर फ़ारूक के जीवन का उद्देश्य शासन नहीं सेवा करना था।

5. अज़रबेजान के गवर्नर अतबा बिन फ़रकद जब मदीना आए तो उमर फ़ारूक ने उन्हें खाने में रुखी रोटी, जैतून का तेल और पिसा हुआ नमक पेश किया। इस पर अतबा ने कहा "अमीरुल मोमिनीन अब तो अल्लाह ने हमें खुशहाली दी है अत: आप भी गेहूं की रोटी और अच्छा खाना खाइए।"

(ग) 1. नहीं 2. नहीं 3. हाँ 4. हाँ

(घ) 1. (ग) 2. (क) 3. (ग) 4. (ख)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क)

हिंदी	उर्दू
महिला	रौबदार
जीवन	कद
व्यक्ति	इंसानियत
सहायता	कदम
	जवाब

(ख) 1. प्रफुल्ल 2. सुख 3. सवाल 4. मालिक
5. बुरा 6. दूर

(ग)

एक महिला	निश्चयवाचक	ऊँचा कद	गुणवाचक
मोटा पैबंद	गुणवाचक विशेषण	कई दिन	अनिश्चयवाचक
गहरा रंग	गुणवाचक	बूढ़ी महिला	गुणवाचक विशेषण

मूल्याकंन - I

(क) 1. वेतन 2. पोशाक 3. चुप 4. रविवार
5. भरोसा 6. सप्ताह

(ख) 1. रस 2. स्मरणशक्ति 3. दोहरा 4. जिज्ञासा

(ग) 1. हाँ 2. हाँ 3. हाँ 4. नहीं

(घ) 1. पतझड़ का 2. चालीस रुबल
3. कोल्या के 4. दब्बू और बोदे
5. अतबा-बिन फ़रकद

(ङ) 1. सुख 2. खुश 3. मालिक 4. दूर

पाठ-5 हमारे त्योहार

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. चारों ओर रामलीला की तैयारी हो रही है।
2. दीवाली पर खाने को खीले-मिठाई मिलती है।
3. फूलझड़ियाँ दीपावली पर छोड़ते हैं।
4. ईसाइयों का त्योहार बड़ा दिन है।
5. सुबह-सवेरे मस्जिद को मुस्लिम भाई जाते है।

लिखित

(ख) 1. दीपावली पर हम घर-घर दीप जला कर, खील-मिठाई खाकर और पटाखे फूलझड़ियाँ आदि जलाकर मनाते हैं।

2. 'बड़ा दिन' के दिन ईसाई लोग नए-नए कपड़े पहन कर अपने मित्रों के घर उपहार लेकर जाते हैं। तथा उन्हें रंग-बिरंगे बधाई पत्र भी देते हैं। इस दिन ईसाई लोग चर्च में जाकर प्रार्थना करते हैं, तथा केक और मिठाई बाँटते हैं।
3. ईद पर नमाज मस्जिद में पढ़ी जाती है। नमाज पढ़ने के बाद सब लोग घर को आते हैं। मीठी-मीठी सेवइयां खाते हैं, और सबको गले लगाकर ईद मुबारक कहते हैं।
4. होली का त्यौहार सभी पुरानी दुश्मनी को भूलाकर रंगों व पिचकारी के साथ, सबको गले लगाकर मनाया जाता है।

(ग)

1.	रोज़ा	ईद
2.	केक	क्रिसमस
3.	खील-मिठाई	दीपावली
4.	रंगभरी पिचकारी	होली
5.	रामलीला	दशहरा

(घ) 1. (क) 2. (ग) 3. (ग) 4. (ग)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. ईसाई 2. दिवाली 3. लड़ियाँ 4. दशहरा

(ख) 1. लड़ियाँ 2. रंग 3. फुलझड़ियाँ 4. सेवइयाँ

(ग) 1. कठोरता 2. खुशी 3. मिठास 4. निजत्व

(घ) 1. (क) 2. (ग) 3. (घ)

पाठ-6 रावण का गुरुमंत्र

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. रावण लंका का राजा था।
2. युद्ध श्रीराम और रावण के बीच हुआ था।
3. श्रीराम ने रावण को महान् विद्वान कहा था।
4. रावण से गुरुमंत्र लक्ष्मण प्राप्त करना चाहता थे।
5. लक्ष्मण जी श्री राम जी के छोटे भाई थे।

लिखित

(ख) 1. श्रीराम के अनुसार आज उनके हाथों संसार से एक विद्वान चला गया, इसीलिए उन्हें अपनी जीत की खुशी नहीं थी।
2. रावण ने कहां की, "मैंने अपने शत्रु को स्वयं से छोटा और निर्बल ही समझा आज इसी भूल ने मुझे दुर्गति तक पहुंचाया है।"

3. रावण की तीन इच्छाएं थी पहले सिद्धि के द्वारा स्वर्ग और पृथ्वी को मिला देना दूसरी अग्नि को धुएं से अलग कर देना और तीसरी मृत्यु को नष्ट कर देना।
4. रावण ने लक्ष्मण को गुरु मंत्र दिया कि व्यक्ति को आज का काम कभी कल पर नहीं छोड़ना चाहिए, शत्रु को कभी छोटा नहीं समझना चाहिए और अपने बल तथा विद्या का सदैव लोक हित में ही प्रयोग करना चाहिए।

(ग) 1. (क) 2. (ग) 3. (क) 4. (ग)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. शांति 2. निस्वार्थ 3. अप्रिय 4. पराजय
5. आरंभ 6. निर्जल

(ख) विद्यार्थी स्वयं करें।

(ग) 1. (क) 2. (ग) 3. (ख)

पाठ-7 पक्षी-विहार

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. फतेहपुर सीकरी घूमते-घूमते दोपहर हो गई थी।
2. सर्दियों में विदेशों से रंग-बिरंगां अप्रवासी पक्षी देखने के लिए लोग घाना पक्षी विहार जाते हैं
3. बाँबी दीमक की थी।
4. वनरक्षक ने सबको चुप रहने का संकेत दिया क्योंकि अजगर विश्राम कर रहा था।
5. गोताखोर चिड़ियों का रंग काला व चोंच गुलाबी रंग की होती है।

लिखित

(ख) 1. यूरेशिया से आने वाली बतख 'यूरेशियन टील' या कॉमन टील हर वर्ष सर्दियों में दक्षिण दिशा में यूरोप और अफ्रीका के काई देशों में प्रवास करता है। एशियाई कोयल सिंगापुर से भारत के पुडुचेरी में आती है। केवल रात में ही उड़ान भरने वाले ग्रेटर फ्लैमिंगो पक्षी श्रीलंका और भारत के विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास करता है।
2. घाना पक्षी विहार का पूरा नाम 'केवलादेव घाना' है, और यह राजस्थान के भरतपुर में स्थित है।
3. 'आज हुए अद्‌भुत अनुभव से हमारी यादों में सदा जीवन रहेंगे इस पंक्ति से यह आशय है कि आज हमें जो भी अनुभव हुए हैं वह सदा हमारी यादों में जिंदा रहेंगे।

(ग) 1. वनरक्षक 2. कलरव 3. सतरंगी 4. झुंड
5. क्रियाकलाप

(घ) 1. (क) 2. (ख) 3. (क) 4. (क)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. पक्षीविहार 2. दृश्य 3. वनरक्षक 4. अप्रवासी
5. रिक्शा 6. दीमक

(ख) 1. ऊँची 2. लम्बा 3. गुलाबी 4. लाल
5. गोल 6. मीठी

(घ) 1. (क) 2. (ख) 3. (घ)

पाठ-8 जॉन का संघर्ष

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. पोलैंड पर जर्मनी ने हमला कर दिया था।
2. जॉन के पिता पोलैंड के सैनिक थे।
3. जॉन ने सबसे पहले एक बूढ़े किसान के यहाँ काम किया।
4. जॉन ने कोयले के खदान के पास की सड़क पर दुकान खोली।

लिखित

(ख) 1. जॉन ने अकेले ही अपनी यात्रा पैदल चलते हुए शुरू की।
2. बूढ़े किसान की मृत्यु के बाद परिवार के लोगों ने जॉन के साथ कड़ाई से काम लेना शुरू कर दिया। वह दिन भर उसे खेतों में काम करवाते और रात को घर के काम भी करवाते। इसके बावजूद उसे खाने के लिए बासी और बेकार भोजन दिया जाता, इसलिए जॉन ने उसका घर छोड़ दिया।
3. कुम्हार अपना व्यापार बढ़ाना चाहता था। परंतु उसकी सहायता करने वाला कोई नहीं था इसलिए उसने जॉन को अपने पास रख लिया।
4. जॉन ने अंत में कोयले की खदान में मज़दूरी की।
5. अंत में जॉन ने तीन चार वर्षों में अपनी मेहनत से काफी पैसे बचा लिए और एक दुकान खोल ली। जिससे उसे लाभ होने लगा और वह धनवान बन गया।

(ग) 1. पिता 2. सैनिक 3. कुम्हार 4. कोयले
5. व्यापारी

(घ) 1. (ग) 2. (क) 3. (ग) 4. (घ)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. पुत्र, सुत 2. जन्मदिवस, वर्षगांठ 3. ताल, सरोवर
4. जल, नीर 5. आवास, सदन

(ख) 1. अच्छा किसान 2. मीठी चॉकलेट
3. बड़ा तालाब 4. मैले कपड़े
5. बूढ़ा व्यक्ति

(ग) दीनू, अजय, दिनेश और रवि भागते हुए बगीचे में पहुँचे। घास बढ़ी हुई थी। बड़े-बड़े आम देखकर सबके मुँह में पानी भर आया। रवि बोला, "डरने की कोई बात नहीं है, जितने चाहो आम तोड़ लो।" दीनू और अजय पेड़ पर चढ़कर आम तोड़ने लगे। तभी माली बोला, "पेड़ पर कौन चढ़ा है?"

(घ) 1. (क) 2. (क) 3. (ख)

पाठ-9 आत्माभिमान

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. कविता में निज, गौरव और देश पर अभिमान करने की बात कही गई है।

2. अपने पूर्वजों की कीर्ति का ज्ञान रखना क्योंकि वे हमारे लिए सदा आदरणीय है।

3. जिसे निज गौरव और निज देश का अभिमान नहीं है, वह व्यक्ति पशु और मृतक के समान है।

लिखित

(ख) 1. स्वदेशाभिमान व्यक्ति को इसलिए नर-पशु कहा जाता है क्योंकि 'स्वाभिमान ही आत्माभिमान' है। जिस व्यक्ति में स्वाभिमान नहीं होता वह मनुष्य होते हुए भी पशु के समान है।

2. जिसको अपनी जाति के उत्थान का अरमान नहीं है, तथा जिसको अपनी भूमिका का अभिमान नहीं है और अपनी मातृभाषा का भी मान नहीं है वह नर पशु तथा मृतक के समान है।

3. वह व्यक्ति नर पशु तथा मृतक के समान है।

(ग) 2. अपनी मातृभाषा का मान न करने वाला।

(घ) 1. (ग) 2. (क) 3. (क)

शब्द-बोध और व्याकरण

1. कौड़ी 2. जातियाँ 3. भाषा 4. वचन
5. लताएं 6. विधियाँ

(ख) 1. कौड़ी – राम ने कौड़ी-कौड़ी जोड़कर एक नया घर बनाया।
2. निज – हमें निज भोजन पका कर स्वास्थ्यवर्धक रहना चाहिए।
3. उत्थान – सभी को देश के उत्थान के लिए कार्य करते रहना चाहिए।
4. अरमान – दादी माँ का अरमान है कि वह भी लालकिले घूमें।
5. शुचि – हमें अपनी मातृभूमि की शुचि पर गर्व है।

(ग) 1. बलवान धनवान 2. ज्ञान शान
3. अरमान अभिमान 4. मान अपमान
5. महान महान

(घ) 1. (ग) 2. (ख) 3. (क)

मूल्यांकन - II

(क) 1. दीवाली 2. कुम्हार 3. रावण 4. केवलादेव घाना
5. मृत्यु

(ख)

विशेषण	विशेष्य
1. अच्छा	व्यक्ति
2. मीठी	चॉकलेट
3. बड़ा	तालाब
4. मैले	कपड़े
5. बूढ़ा	किसान

(ग) 1. पिता 2. सैनिक 3. कोयले 4. कलरव 5. झुंड

(घ) 1. शांति 2. आरंभ 3. पराजय 4. अप्रिय
5. निस्वार्थ 6. निर्जल

प्रश्न पत्र - I

(क) 1. रस 2. स्मरणशक्ति 3. कोयले 4. व्यापारी
5. वनरक्षक 6. क्रियाकलापों

(ख) 1. हाँ 2. नहीं 3. हाँ 4. नहीं 5. हाँ

(ग)

शोभा	अनंत
कोकिला	कुहू
रोज़ा	ईद
रंगभरी पिचकारी	होली
केक	क्रिसमस

(घ) 1. लड़ियाँ 2. रंग 3. फुलझडियाँ 4. सेवइयाँ

(ङ) 1. दुर्गंध 2. मीठा 3. पुराना 4. आरंभ
5. निस्वार्थ 6. शांती

(छ)

1. पुत्र	सुत	2. वर्षगांठ	जन्मदिवस
3. ताल	सरोवर	4. सदन	आवास

(ज) 1. बड़ा तालाब 2. बूढा किसान 3. मैले कपड़े 4. बूढ़ा व्यक्ति
5. मीठी चॉकलेट

(झ) 1. दब्बू और बोदे 2. ईद 3. बारह साल 4. रावण
5. सरदियों में

(ञ) 1. बसंत आने से जग में सुंदरता छा गई है।

2. लेखक जूलिया को सबक सिखाना चाहता था कि अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए तुम्हें इस कठोर, निर्मम और हृदयहीन संसार से अपने दाँतों और पंजों के साथ लड़ना होगा।
3. लेखक ने स्मरण शक्ति को बढ़ाने के लिए कुछ उपाय बताए हैं।
   (क) जिस विषय को आप याद रखना चाहते हैं उसमें जिज्ञासा रखिए।
   (ख) जिस विषय को आप याद रखना चाहते हैं उसे याद करते समय अपने मस्तिष्क से अन्य विचारों को निकाल दीजिए।
   (ग) जिस विषय को आप याद करना चाहते हैं उसे मन में कम से कम एक बार जरूर दोहरा लीजिए।
   (घ) अंत में जॉन ने तीन चार वर्षो में अपनी मेहनत से काफी पैसे बचा लिए और एक दुकान खोल ली। जिससे उसे लाभ होने लगा और वह धनवान बन गया।
   (ङ) रावण ने लक्ष्मण को गुरु मंत्र दिया कि व्यक्ति को आज का काम कभी कल पर नहीं छोड़ना चाहिए, शत्रु को कभी छोटा नहीं समझना चाहिए और अपने बल तथा विद्या का सदैव लोक हित में ही प्रयोग करना चाहिए।
   (च) घाना पक्षी विहार का पूरा नाम 'केवलादेव घाना' है, और यह राजस्थान के भरतपुर में स्थित है।

(ट) विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ-10 वनस्पति की उपयोगिता

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. छुईमुई, लाजवंती।
2. पानी की मूसलाधार बारिश करने वाले पेड़ केनरी टापुओं में पाए जाते हैं।
3. प्राणिशास्त्र के आचार्य चार्ल्स डारविन ने मांसाहारी पौधों का वर्णन किया है।
4. फ्लाई कैचर नामक पौधा स्पेन और पुर्तगाल देशों में पाया जाता है।

लिखित

(ख) 1. सूक्ष्म यंत्रों की सहायता से यह पाया गया कि, पेड़-पौधों में भी चेतना होती है उन्हें भी सुख-दुख का अनुभव होता है। वह भी जवान होते हैं, फिर बूढ़े हो जाते हैं वह भी बीमार होते हैं और इलाज ना होने पर संसार से चल बसते हैं।
2. जगदीश चंद्र बोस ने यह सिद्ध किया कि पेड़ पौधों में भी जीवन है।
3. मांसाहारी पेड़ पौधे अपने शरीर से निकलने वाले मीठे और सुगंधित तरल से मक्खियों और कीड़ों को आकर्षित करते हैं। जब यह कीड़े उसे रस को चखने के लिए आते हैं तो पेड़ के तरल पदार्थ में चिपक कर प्राण गवा देते हैं।

4. 'सन-ड्यू' नाम का पौधा कीड़े को तब जकड़ लेता है जब कीड़ा उसकी चमकीली पत्तियों पर आकर बैठता है और उसे दबाकर मार डालता है।

(ग) मनुष्य में भी हर तरह की मनुष्य पाए जाते हैं अच्छे बुरे इसी तरह पशुओं में भी हर तरह के पशु होते हैं। कुछ अच्छे और कुछ बुरे।

(घ) 1. चेतना 2. सच्चा 3. परोपकारी 4. पत्तियों 5. हिंसक

(ङ) 1. (क) 2. (ख) 3. (क)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. दुनिया 2. निर्देशक 3. स्वयं 4. सुगधिंत
5. अहिंसक 6. मूसलाधार

(ख) 1. चेतना – पेड़-पौधों में भी चेतना होती है।
2. जीवन – यह जीवन अमूल्य है।
3. शिकार – कुछ पेड़े-पौधे भी शिकारी होते है।
4. परोपकारी – हमे सदैव परोपकारी बनना चाहिए।
5. हिंसक – शिकारी हिंसक प्रवृति का था।

(ग) 1. शाकाहारी 2. परोपकारी 3. अहिंसा 4. छुईमुई

(घ) 1. (क) 2. (घ) 3. (ग) 4. (ग)

पाठ-11 सम्राट अशोक का शस्त्र-त्याग

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. ध्वज के पास अशोक का शिविर था।
2. सम्राट अशोक मगध के राजा थे।
3. कलिंग की सेना का संचालन कलिग के महाराज की कन्या कर रही थी।
4. सम्राट अशोक स्त्रियों पर शस्त्र नहीं चलाना चाहते थे।
5. पद्मा कलिंग के महाराज की कन्या थी।

लिखित

(ख) 1. अपने शिविर में बैठे सम्राट अशोक सोच रहे थे कि युद्ध करते हुए चार वर्ष हो गए और हम कलिंग नहीं जीत पाए पता नहीं इस युद्ध का क्या परिणाम होगा।
2. गुप्तचर ने सम्राट को समाचार दिया कि कलिंग के महाराज युद्ध में मारे गए।
3. सम्राट अशोक ने सैनिकों के साथ शपथ ली कि अब वह युद्ध नहीं करेंगे और कभी अपने सैनिकों को आक्रमण करने की आज्ञा भी नहीं देंगे।
4. पद्मा ने कहा के जिन शास्त्रों में विजय की लालसा की पूर्ति के लिए लाखों माता की गोद और लाखों स्त्रियों की मांग सुना करना लिखा है ऐसे शास्त्रों को फूंक देना चाहिए जो तुम्हें हत्यारा बनाते हैं।

5. पद्मा कलिंग के महाराज और उनके सैनिकों की हत्या का प्रतिशोध लेना चाहती थी।

(ग) 1. हाँ 2. हाँ 3. हाँ 4. नहीं 5. नहीं

(घ) 1. (ख) 2. (क) 3. (क) 4. (ग)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. फल नतीजा 2. तुरंग अश्व

3. पुत्री बेटी 4. कसम शपथ

(ख) विद्यार्थी स्वयं करें।

(ग) 1. (ग) 2. (क) 3. (ख)

पाठ-12 ऑस्ट्रेलिया की सैर

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. लेखिका ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप की यात्रा पर जा रही थी।

2. ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में अनगिनत बीच एवं खाड़ियाँ नज़र आती है।
3. ऑस्ट्रेलिया में कंगारू जीव पाया जाता है।
4. रविवार के दिन ऐसा लगता है कि सारा ऑस्ट्रेलिया छुट्टी मना रहा है।
5. श्रम को गौरव दिए बिना विकास संभव नहीं है।

लिखित

(ख) 1. जब किसी एक राष्ट्र की जमीनी सच्चाइयों से जुड़ा व्यक्ति किसी दूसरे राष्ट्र की ज़मीनी सच्चाइयों से जुड़े व्यक्ति से मिलता है तब दो राष्ट्र आपस में मिलते हैं।

2. लेखिका ऑस्ट्रेलिया के बारे में काफी कुछ पढ़ सुन चुकी थी इसलिए उसे ऑस्ट्रेलिया से जान पहचान पुरानी लगी।
3. ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप आकर्षक एवं प्रसिद्ध पर्यटक स्थल है, जहां वास्तव में सैलानी समुद्र के किनारे सैर-सपाटे के लिए आते हैं। सिडनी नेशनल पार्क से लेकर ईडन गार्डन तक समुद्री बीच फैला हुआ है। न्यू साउथ वेल्स क्षेत्र में अनगिनत बीच और खाड़ियाँ दिखाई देती हैं।
4. ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों की एबोरिजिनल आर्ट भारत के गुजरात की चित्रकला से बहुत मेल खाती है।
5. ऑस्ट्रेलिया के लोग मन लगाकर काम करते हैं, और राजनीति पर बहुत अधिक चर्चा नहीं करते। वे रात को जल्दी भोजन करते हैं और सो जाते हैं ऑस्ट्रेलिया के लोग अपने हाथ से काम करने में शर्म महसूस नहीं करते।

(ग) 1. साधन-संपन्नता जीवन को उत्साह से भर देती है। नए साधन जीवन को नवीनता से भर उसको उबाऊ नहीं होने देते।

2. बिना श्रम को गौरव दिए विकास संभव नहीं अर्थात् बिना मेहनत को आदर दिए हम उन्नती की ओर नहीं बढ़ सकते।

(घ) 1. आकर्षक, प्रसिद्ध 2. कंगारू 3. ऑस्ट्रेलियाई डॉलर
4. सिडनी 5. सेहत

(ङ) 1. (ग) 2. (ग) 3. (ग)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. आकृतियाँ 2. छुट्टियाँ 3. कलाएँ 4. समस्याएँ
5. नदियाँ 6. सच्चाईयाँ

(ख)

1. जड़	पेड़ का एक भाग	स्थिर
2. मुद्रा	धन	स्थिति
3. पत्र	चिट्ठी	पत्ता
4. हर	प्रत्येक	ग्रहण करना

(ग) 1. सिडनी जाने का नाम सुनते ही मेरे पाँव जमीन पर नहीं थे।
2. महाराणा प्रताप की वीरता देखकर सैनिको के पांव उखड़ गए।
3. बेटे के मुँख से सच सुनकर उसके पैरों तले जमीन खिसक गई।
4. श्रीराम बचपन से ही प्रतिभाशाली थे। पूत के पैर पालने मे ही दिख जाते है।

(घ) 1. (ख) 2. (ख) 3. (क)

पाठ-13 दया की देवी : मदर टेरेसा

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. मदर टेरेसा का बचपन का नाम एगनेस गोन्वस्हा था।
2. मदर टेरेसा का जन्म 27 अगस्त 1910 को यूगोस्लाविया के स्कॉपजे नगर में हुआ।
3. मदर टेरेसा के पहले आश्रम का नाम निर्मल हृदय था।
4. लोग उन्हें दया की देवी, गरीबों की वाणी आदि कह कर पुकारते थे।
5. मदर टेरेसा की मृत्यु 5 सितंबर 1997 को हुई।

लिखित

(ख) 1. एक रात सोते हुए उनकी नींद खुल गई उन्हें लगा कि 'ईसा मसीह' उनसे कह रहे हैं, "बच्चों को पढ़ाने के लिए बहुत सी अध्यापिकाएं हैं, पर दीन दुखियों की सेवा करने वाला कोई नहीं है। तुम उनकी देखभाल और सेवा करो।" इसीलिए सुबह विद्यालय में आते ही उन्होंने अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया।
2. मदर टेरेसा ने अपने आश्रम का नाम निर्मल हृदय इसलिए रखा क्योंकि वहां धर्म, देश, जाति, रंग, रूप आदि का कोई बंधन नहीं था। किसी के हृदय में किसी के प्रति घृणा या द्वेष नहीं था। और किसी प्रकार का पक्षपात नहीं था।

3. मदर टेरेसा 18 वर्ष की उम्र में सन 1929 में भारत आई, और यहां सेंट मैरी हाई स्कूल में भूगोल की अध्यापिका नियुक्त हुई। बाद में वह इस विद्यालय की प्रधानाध्यापिका बना दी गई। उन्होंने पटना में नर्सिंग की ट्रेनिंग ली और 1948 में अपना प्रथम आश्रम कोलकाता में बनाया तब से वह लगातार दीन दुखियों और बीमारियों की सेवा करने लगी।

4. मदर टेरेसा की संस्था इस समय अनेक विद्यालय, अस्पताल, कुष्ठ निवारण केंद्र, अनाथ आश्रम और वृद्ध तथा जीवन से हताश व्यक्तियों के लिए आश्रय चल रही है।

5. मदर टेरेसा का कहना था कि, "मेरे पास दौलत की कमी हो सकती है पर प्यार की नहीं।"

(ग) 1. हाँ 2. नहीं 3. हाँ 4. हाँ 5. नहीं

(घ) 1. (क) 2. (क) 3. (ख) 4. (घ)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. वैद्य – आयुर्वेद का ज्ञाता वैध – विधि के अनुकूल
2. अमूल्य – जिसका कोई मूल्य नहीं बहुमूल्य – अत्यंत महंगा
3. सुधा – अमृत क्षुधा – भूख
4. आदि – आरंभ आदी – अभ्यसत
5. दशा – अवस्था दिशा – ओर, तरफ
6. मातृ – मूल निवासी मात्र – न कुछ अधिक न कुछ कम।

(ख) (केवल पढ़ने के लिए)

(ग) 1. (ख) 2. (घ) 3. (घ)

मूल्याकंन - III

(क) 1. चेतना 2. सच्चा साथी 3. डॉलर 4. सिडनी

(ख) 1. हाँ 2. नहीं 3. नहीं 4. हाँ

(ग) 1. छुईमुई 2. कलिंग दुर्ग पर 3. सम्राट अशोक 4. भारत रत्न

(घ) 1. दुनिया 2. सुंगधित 3. अहिंसक 4. मूसलाधार

(ङ) 1. फल नतीजा 2. अश्व तुरंग
3. पुत्री बेटी 4. शपथ कसम

पाठ-14 अद्‌भुत पेड़

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. पेड़ फूल, फल देने के लिए झुक जाते हैं।
2. पेड़ कड़ी धूप में साया बन जाते हैं।

3. वर्षा पेड़ लाते हैं।
4. पेड़ घबराए बिना सैनिक तरह डट जाते हैं।

लिखित

(ख) 1. फल, फूल, छाया, वर्षा, साया, सुंदर दृश्य आदि।
2. पेड़ कड़ी धूप में साया बनकर जीवन को सरल बनाते हैं।
3. खुली सड़क या तेज कड़कती बिजली से पेड़ नहीं घबराते।
4. गुलाबी गहने पहने पेड़ सुंदर दृश्य दिखाकर हमे खिलना सिखाते है।

(ग) 1. कई तरह के फल उपजाते।
खुशबू वाले फूल खिलाते।
2. कड़ी धूप में बनते साया।
सारा जीवन सरस बनाया।

(घ) 1. (क) 2. (ख) 3. (ग) 4. (ग)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. वृक्ष तरू 2. बरसात वृष्टि
3. कानन वन 4. तड़ित चपला

(ख) कड़ी-बहुत अधिक – राम अच्छे परिणाम के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है।
सरस-अच्छा – पेड़ हमारा जीवन सरस बनाते हैं।
अद्‌भुत-विचित्र – पेड़ों का जीवन अद्‌भुत होता है।
आतप-धूप – जनवरी महीने की आतप का अलग आनंद है।

(ग) 1. (ख) 2. (घ) 3. (ख)

पाठ-15 क्षमा

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. डोरा दीदी अस्पताल मे नर्स का काम करती थी।
2. युवक ने डोरा दीदी पर पत्थर से प्रहार किया।
3. कोयले की खान में हुए धमाके के कारण मज़दूर युवक घायल हुआ।
4. नगर के लोग नर्सों से घृणा करते थे।

लिखित

(ख) 1. नगर के युवक नर्सों से घृणा इसलिए करते थे क्योंकि वह उन्हें रोमन कैथोलिक समझते थे।
2. युवक ने चिल्ला कर कहा, "देखो दुर्भाग्य की मूर्ति जा रही है मैं इसे यहां नहीं रहने दूंगा।"

3. डोरा दीदी ने घायलों की सेवा बड़े लगन से की और उन पर स्नेह की वर्षा की।
4. युवक को यह सोचकर पछतावा हो रहा था कि उसे पत्थर के बदले स्नेह मिला है और वह यह सोच रहा था कि दीदी उसे पहचानती नहीं है।
5. जब युवक को यह पता चला की डोरा दीदी उसके बारे में जानकर भी उसकी सेवा कर रही है तो उसे बहुत आश्चर्य हुआ।

(ग) 1. एक युवक ने लोगों से
2. एक युवक ने डोरा दीदी से
3. डोरा दीदी ने युवक से

(घ) 1. (ख) 2. (घ) 3. (ख) 4. (ग)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. प्रसिद्ध मशहूर 2. घृणा नफ़रत
3. उपहास मज़ाक 4. दुर्भाग्य बुरा भाग्य
5. मस्तक माथा 6. स्नेह प्रेम
7. क्षमा माफ़ी

(ख) 1. युवक का मुख आश्चर्य से खुला रह गया।
2. डोरा दीदी त्याग, सेवा तथा क्षमा की मूर्ति थी।
3. उसने पूछा, "क्या बात है?"
4. "मै जाऊँगी, दीदी ने कहा," लेकिन आज नहीं कल, राजीव अब तुम सो जाओ।

(ग) 1. (ग) 2. (ग) 3. (घ)

पाठ-16 हम सब पृथ्वी के ही बालक!

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. पर्यावरण शब्द परि और आवरण शब्दों के योग से बना है।
2. 'विश्व पर्यावरण दिवस' 5 जून को मनाया जाता है।
3. पारिस्थितिकी तंत्र में जैविक और अजैविक दो घटक है।
4. ओज़ोन परत वायुमंडल के स्ट्रेटोस्फीयर भाग में स्थित है।

लिखित

(ख) 1. जैव मंडल का निर्माण भूमि, गगन, अनिल व अनल, जल नामक पांच तत्वों से होता है।
2. विश्वभर में वनो का विनाश, अवैध एवं असीमित उत्खनन, पेट्रोल, कोयला, डीजल के उपयोग में अप्रत्याशित अभिवृद्धि और कल कारखानों के विकास के नाम पर

प्रदूषण विस्तार इन सब ने मानव को विनाश की कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है।

3. पृथ्वी के ऊपर विषैली गैसों के बादल बढ़ते जाने के कारण सूर्य की आवश्यक किरणें बाह्य अंतरिक्ष में परावर्तित नहीं हो पाती जिसके कारण पृथ्वी का तापमान बढ़ता जा रहा है।
4. पृथ्वी के बढ़ते तापमान के कारण ध्रुवों पर जमी बर्फ पिघलने से समुद्र तल बढ़ रहा है। और छोटे-छोटे द्वीपों एवं महाद्वीपों के तटीय क्षेत्र के डूब जाने का खतरा बढ़ गया है। मुंबई जैसे महानगर प्रलय की गोद में समा सकते हैं। बढ़ते तापमान के कारण विश्व सभ्यता को अमृत समान एवं पोषक जल प्रदान करने वाले ग्लेशियर या तो लुप्त हो गए हैं, या लुप्त होने की और बढ़ रहे हैं। गंगा अपने उद्गम गंगोत्री के मूल स्थान से कई किलोमीटर पीछे खिसक चुकी है प्राकृतिक आपदाओं में बढ़ोतरी के कारण लाखों लोग शरणार्थी बन चुके हैं।

(ग) 1. पर्यावरण 2. पारिस्थितिकी 3. ओज़ोन 4. ध्रुवों

(घ) 1. (क) 2. (ख) 3. (ख) 4. (क)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क)

उपसर्ग	**शब्द**			
परि	परिहास	परिभावित	परिधान	परिचय
परा पराजय	परातंत्र	पराक्रम		
प्र	प्रत्येक	प्रत्यय	प्रजा	प्रधान

(ख)

1. आदि	– आलावा	मेरे पास बहुत सी पैंसिल, पैन, किताब आदि है।
आदी	–	राम देर रात तक काम करने का आदी है।
2. ग्रह	– नौ ग्रह	पृथ्वी एक ग्रह है।
गृह	– घर	कल मैं एक गृह-प्रवेश में गया था।
3. कुल	– वंश	रामचंद्र जी सूर्य कुल के पुत्र थे।
कूल	– किनारा	नदी के कूल पर ठंडी हवा चल रही थी।

(ग) (क) ऊँचा (ख) झील (ग) बरगद

पाठ-17 दधीचि का दान

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. देवताओं और असुरों के बीच ठनी हुई थी।
2. शक्तिशाली असुरों के दल का नेता वृत्रासुर था।
3. देवराज इंद्र सभी सुरों के साथ ब्रह्मा जी के पास गए थे।
4. ऋषि दधीचि का आश्रम सरस्वती नदी के तट पर था।

लिखित

(ख) 1. देवराज इंद्र ने बताया कि असुर बल और चतुराई में हमसे आगे हैं। उस पर उनके नेता वृत्रासुर सुरों के नाश का प्रण कर लिया है।

2. ब्रह्मा जी ने बताया, कि "सरस्वती नदी के तट पर एक आश्रम है उसमें दधीचि नाम के ऋषि रहते हैं। तुम सब मिलकर उनको अपनी विपत्तियां सुनाओ, और उनसे प्रार्थना करना कि वह अपनी अस्थियां दान में दे दें।

3. देवराज इंद्र ने ऋषि दधीची को बताया कि असुर वृत्रासुर और उनके दल ने उपद्रव मचा रखा है वृत्रासुर ने तो सुरों के नाश का प्रण कर लिया है महर्षि यदि वृत्रासुर और जीवित रहा तो सूरो का अंत निकट है।

4. ऋषि दधीचि की पवित्र अस्थियों की सहायता से सुरों ने वज्र बनाया। उस वज्र का प्रयोग करके सुरों ने वृत्रासुर का वध किया था।

(ग) 1. सुर 2. वृत्रासुर 3. आश्रम 4. वज्र 5. दधीचि

(घ) 1. (ख) 2. (क) 3. (ख) 4. (ग)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. असुरों ने संसार को आतंकित कर दिया था।

2. सुरों ने वृत्रासुर को खत्म करने का प्रण लिया।

3. हम सबको रोज ईश्वर से प्रार्थना करनी चाहिए।

4. ऋषि दधीचि बहुत परोपकारी थे।

5. इन्द्र देवता के दर्शन पाकर सभी धन्य हुए।

(ख) 1. असुर 2. समाधान 3. अमंगल 4. सृजन

5. अपवित्र 6. अशांत

(ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

(घ) 1. (ग) 2. (ग) 3. (ग)

पाठ-18 भारत के फल

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. आम 2. आम 3. तरबूज़ 4. अंगूर, संतरे

5. केले और सेब

(ख 1. अंगूर, सेब, संतरे, आम, तरबूज़, केले

2. आम को भारत का राष्ट्रीय फल इसलिए माना गया है क्योंकि आम रसीला है।

3. अंगूर, संतरे, आम

4. केले और सेब

5. तरबूज़

(ग) 1. संतरा 2. सिरताज 3. गुण 4. लाभदायी

(घ) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓

(ङ) 1. संतरा 2. भिन्न-भिन्न 3. आम को

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क)	सारे	असाधारण	आम्र
	अनोखा	साल	नृप
(ख)	लाभकारी	रसीला	गुनी
	दुगना	मज़ेदार	घरेलू
(ग)	हरियाली	लालिमा	कालिमा
	अपनापन	बहुतायत	राष्ट्रीयता
(घ)	हमारा	तुम्हारा	

बाल कलाकार

अनार	अंजीर	संतरा
सेब तरबूज	अंगूर	

पाठ-19 अजंता और एलोरा की गुफाएँ

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. यात्रियों का सैलाब रेलवे स्टेशन पर उमड़ रहा था।

2. काष्ठ-पट्ट पर अजंता लिखा था।

3. बघोरा नदी अजंता की गुफाओं के पास बहती है।

4. अजंता में कुल 29 गुफाएँ हैं।

5. महात्मा बुद्ध के पिछले जन्म का नाम बोधिसत्व था।

(ख) 1. बच्चों ने यात्रा में प्रत्येक क्षण का आनंद लिया। आपसी हँसी-मजाक, छीना-झपटी, खाना-पीना, गाना-बजाना आदि मिलकर किया।

2. 'अजंता गाँव' के नाम से ही वहाँ का नाम अजंता की गुफाएँ पड़ा।

3. अजंता की छोटी-छोटी गुफाएँ, जिनमें पाँच मंदिर हैं, इन्हें चैत्य गुफाएँ कहते हैं।

4. इतिहास-शिक्षक ने बच्चों को बताया कि अजंता के यह चित्र एक ही समय में नहीं बने। भिन्न-भिन्न समय में भिन्न-भिन्न कलाकारों ने इनका निर्माण किया। इनका निर्माण 'गुप्त काल' में हुआ था।

5. जातक-कथा के बारे में पथ-प्रदर्शक ने बताया कि महात्मा बुद्ध के पिछले जन्म का नाम बोधिसत्व था। एक बार बोधिसत्व ने मृग के रूप में जन्म लिया और वह अपने झुंड का मुखिया बन गया। एक दिन राजा उसी वन में शिकार खेलने आया। शिकारियों ने ऐसा जाल फैलाया कि सारा झुंड उनकी पकड़ में आ गया। राजा ने अपने रसोइयों को आदेश दिया कि भोजन के लिए प्रतिदिन एक मृग मारा जाए।

एक दिन एक गर्भवती हिरनी की बारी आई। उसे देखकर बोधिसत्व को दया आई। उसने राजा के सम्मुख उपस्थित होकर प्रार्थना की– 'इस हिरनी के बदले मुझे मारकर इसे प्राणदान दीजिए।' इस घटना का राजा पर इतना प्रभाव पड़ा कि उसने सभी हिरनों को मुक्त कर दिया और भविष्य में जीव-हिंसा न करने की प्रतिज्ञा की।

(ग) 1. हाँ 2. हाँ 3. हाँ 4. नहीं 5. हाँ

(घ) 1. (ख) 2. (ग) 3. (क) 4. (घ)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. सर्पणी 2. मृगी 3. पति 4. हिरन
5. राजबालक 6. शिक्षिका

(ख) विद्यार्थी स्वयं करें।

(ग) 1. (घ) 2. (ग)

मूल्याकंन - IV

(क) 1. छतरी 2. पेड़ 3. पृथ्वी दिवस 4. स्ट्रेटोस्फीयर
5. विहार गुफाएँ

(ख) 1. पर्यावरण 2. ओज़ोन 3. वृत्रासुर 4. आश्रम
5. दधीचि

(ग) 1. वृक्ष, तरू 2. बरसात, वृष्टि 3. वन, कानन 4. चपला, तड़ित

(घ) 1. असुर 2. अशांत 3. सृजन 4. अपवित्र

(ङ) 1. हाँ 2. नहीं 3. हाँ

प्रश्न पत्र - II

(क) 1. हाँ 2. नहीं 3. हाँ 4. हाँ 5. नहीं

(ख) 1. पत्तियों 2. प्रसिद्घ, आकर्षक 3. परिस्थितिकी
4. वज्र 5. सुर

(ग) 1. शाकाहारी 2. उपकारी 3. अहिंसा 4. छुईमुई

(घ) 1. अश्व, तुरंग 2. शपथ, कसम 3. वृष्टि, बरसात 4. कानन, वन

(ङ) 1. आकृतियाँ 2. छुट्टियाँ 3. नदियाँ 4. कलाई

(च) 1. अमगंल 2. अपवित्र 3. सृजन 4. असुर

(छ) 1. सन-ड्यू 2. अल्बानिया के 3. छतरी
4. स्ट्रेटोस्फीयर 5. इंद्र

(ज) 1. सरस – पेड़ हमारा जीवन सरस बनाते हैं।
2. अद्भुत – अजंता एलोरा की गुफाएँ अद्भुत है।
3. आतंकित – असुरों ने संसार को आतंकित कर दिया था।

4. प्रार्थना – हम सभी को प्रतिदिन ईश्वर से प्रार्थना करनी चाहिए।
5. दर्शन – इंद्र देवता के दर्शन करके सभी धन्य हुए।

(झ) 1. आयुर्वेद का ज्ञाता, विधि के अनुकूल
2. जिसका कोई मूल्य नहीं, अत्यंत महंगा
3. आरंभ, अभ्यसत
4. अवस्था, ओर, तरफ

(ञ) 1. युवक ने डोरा दीदी से कहा।
2. युवक ने डोरा दीदी से कहा।

(ट) 1. सनड्यू नामक पौधा कीड़ों को तब जकड़ लेता है जब कीड़ा उसकी चमकीली पत्तियों पर आकर बैठता है और उसे दबाकर मार डालता है।

पाठमाला - 5

पाठ-1 सूचना-प्रौद्योगिकी

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. ईशान मिल गया जी मिल गया; गाने के लहज़े में बोल रहा था।
2. दूरसंचार प्रणाली की आत्मा कंप्यूटर को माना गया है।
3. सूचना-प्रौद्योगिकी आई॰ टी॰ का हिंदी रूपांतर है।
4. भूमंडलीय मीडिया का सबसे सशक्त माध्यम सूचना-प्रौद्योगिकी है।
5. इक्कीसवीं सदी सूचना क्रांति की है।

लिखित

(ख) 1. सूचना संचार का माध्यम बढ़ना सूचना क्रांति कहलाता है। यह क्रांति नई सदी का अनुपम वरदान है। इस क्रांति ने इक्कीसवीं सदी में ज्ञान का विस्फोट किया है।
2. कंप्यूटर को सूचना-प्रौद्योगिकी का सूत्रधार इसलिए कहा गया है क्योंकि आज हम घर बैठे 'विश्व दर्शन' कर सकते हैं। कंप्यूटर सूचना संसार की तकनीकी आधार है।
3. ऑडियो, वीडियो, कंप्यूटर, कॉन्फरेन्स, मॉडेम प्रणाली तथा इंटरनेट ये सभी उपकरण और पद्धतियाँ सूचना-प्रौद्योगिकी या आई॰ टी॰ में शामिल है।
4. टेलिफोन, टेलैक्स, फैक्स प्रणालियों में कंप्यूटर का प्रयोग किया जाता है। इंटरनेट के द्वारा ही सभी काम किए जाते है। यह सभी प्रौद्योगिकी की देन है।
5. ज्ञान के विस्फोट से तात्पर्य है, एक ऐसी प्रयोगशाला जिसमें ज्ञान सीमित नहीं है। बल्कि ऐसा ज्ञान है जो प्रयोगशालाओं से चलकर हमारे शयनकक्ष तक पहुँच जाता है।

(ग) 1. सूचना क्रांति 2. कंप्यूटर, इंटरनेट 3. कंम्यूटर नेटवर्क 4. सूचना ज्ञान
5. यांत्रिक

(घ) 1. (ग) 2. (ग) 3. (क) 4. (घ)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. कल 2. वरदान 3. विक्रेता 4. जीत

(ख) विद्यार्थी स्वयं करें।

(ग) 1. खड़े-खड़े – आज परीक्षा भवन में खड़े-खड़े मैं थक गया।
2. गिरते-गिरते – मदन आज खेल के मैदान में गिरते-गिरते बचा।
3. ऊँचे-ऊँचे – ऊँचे-ऊँचे पर्वत बर्फ से ढक गए थे।
4. काले-काले – काले-काले बादलों ने खूब जल बरसाया।

(घ) 1. (ग) 2. (ग) 3. (ख) 4. (ख)

पाठ-2 संगत का प्रभाव

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. निर्धन ब्राह्मण का नाम देवपाल था।

2. ब्राह्मण के मित्र का नाम शंखदत्त था।

3. सिंह का मंत्री हंस था।

4. ब्राह्मण के परिवार मे उसके बूढ़े पिता, पत्नी और चार छोटे-छोटे बच्चे थे।

5. सिंह ने वेदपाल और शंखदत्त को स्वर्ण और धन उपहार में दिए थे।

लिखित

(ख) 1. वेदपाल के सभी खेत सूखा होने के कारण सूख गए थे। उसके घर में अनाज नहीं था। वह अपने परिवार का पालन-पोषण अब कैसे करे, यह समस्या वेदपाल के सामने थी।

2. सिंह के महामंत्री ने उसे बताया कि ब्राह्मण ज्ञान और धर्म का प्रचार-प्रसार करते हैं। लोग इनसे ज्ञान प्राप्त करते हैं। इसलिए इन्हें नहीं मारा जाना चाहिए। यह सुनकर सिंह ने वेदपाल व शंखदत्त को छोड़ दिया।

3. गाँव में दोबारा से सूखा पड़ा था। दोनों की स्थिति दयनीय हो गई थी। इसलिए दोनों को दोबारा से सिंह के पास जाना पड़ा।

4. सिंह की बात सुनकर गीदड़ ने कहा:- महाराज! हम पशु है, इसलिए यह सब सोचना हमारा काम नहीं है। वैसे भी आप भूखे हो, मैं तो कहता हूँ कि अब देर न कीजिए।

5. वेदपाल और शंखदत्त चुपचाप सरकते हुए एक ऊँचे वृक्ष के नीचे पहुँच गए। इससे पहले कि सिंह छँलाग लगाता दोनों पेड़ पर बहुत ऊँचे चढ़ गए। इस तरह उन दोनों ने अपनी जान बचाई।

(ग) 1. हाँ 2. नहीं 3. हाँ 4. नहीं 5. हाँ

(घ) 1. (ग) 2. (क) 3. (ग) 4. (क)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. काला गोरा

2. अँधेरा उजाला

3. तेज़ मंद

4. निर्धन धनवान

5. मित्र शत्रु

6. मूर्ख विद्वान

(ख) 1. स्वादिष्ट मांस 4. धूर्त गीदड़
2. मूर्ख सिंह 5. चतुर ब्राह्मण
3. भयानक गर्जना 6. अँधेरी रात

(ग) 1. (ग) 2. (घ)

पाठ-3 वीरों की पूजा

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. मतवाले थाल सजाकर ले जा रहे हैं।
2. मतवालों ने तन में पीतांबर डाल रखा हैं।
3. मतवालों की आँखें चित्तौड़ को देखने के लिए प्यासी हैं।
4. जवानों की टोली तलवारें लेकर निकल पड़ती है।
5. वीर-मंडली गर्वित स्वर में जवानों की जय बोल रहा हैं।

लिखित

(ख) 1. मतवाले युवक थाल सजाकर उस मातृभूमि को पूजने चले हैं जहाँ कई वीरों, वीरांगनाओं, जवानों, बच्चों ने बिना भय के अपनी जान गँवाई हैं
2. कवि ने तीर्थराज चित्तौड़ को कहा हैं
3. जवानों की टोलियाँ तलवारें लेकर दुश्मनों से अपने किले अपने राज्य की रक्षा करने के लिए निकल पड़ी।
4. वीर-मंडली उन माँ-बहनों की जय बोल रही हैं, जिन्होंने अपना पति-भाई को खोया हैं उन महिलाओं की जय बोल रहे हैं, जो अपने आन-बान की रक्षा के लिए जलती आग में कूद जाती हैं अपनी आत्मरक्षा के लिए जौहर व्रत करती हैं
5. कवि ने देश-प्रेम के लिए वीरों, जवानों, जौहर व्रत करने वाली महिलाओं, बच्चों व सतियों का उदाहरण दिया है

(ग) 1. प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक की कविता वीरों की पूजा से ली गई है। इसमें कवि कहता है कि जो वीर दुश्मनों की बोलियाँ सुनकर अपनी तलवारें निकालकर अपनी जान की परवाह किए बिना तैयार रहते थे। उन जवानों के मन में जरा भी भय नहीं होता था। मैं ऐसे वीरों की पग-धूली लेने जा रहा हूँ।
2. प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक की कविता वीरों की पूजा से ली गई है। इसमें कवि कहता है कि इस देश में कई माँ-बहनो ने अपना बेटा, पति खोया। कई बहनों की होली जली, ऐसी वीर-मंडली को गर्वित स्वर से जय माँ की जय बोली लगाता हुआ मैं वहीं जा रहा हूँ जहाँ महिलाओं ने देश की आन के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया।
3. प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक की कविता वीरों की पूजा से ली गई है। इसमें कवि कहता है कि कई सुंदरियों ने देश की खातिर जौहर व्रत करना सीखा। जौहर

व्रत में वह अपने स्वाभिमान की खातिर अपनी आत्म रक्षा के लिए जलती हुई चिता में अपने शरीर को जला देती थी। स्वतंत्रता के लिए बच्चों में भी अपने देश के लिए बलिदान की इच्छा थी। उन्होंने भी स्वतंत्रता के लिए मरना सीखा।

(घ) 1. (ग) 2. (क) 3. (ख) 4. (ख)

शब्द-बोध एवं व्याकरण

(क) 1. मतवाले डाले
2. भूल फूल
3. काशी प्यासी
4. बोली टोली
5. होली बोली

(ख) 1. मार्ग 5. किला 2. दीपक 6. शत्रु
3. पुष्प 7. पवित्र 4. नयन 8. आज़ादी

(ग) 1. (ग) 2. (घ) 3. (ग) 4. इनमें से कोई नहीं।

पाठ-4 कंजूस सेठ

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. सेठ जी ने 'आफत' मुनीम जी के हिसाब को कहा है।
2. हिसाब में दो पैसे का घाटा निकल रहा था।
3. सोडे की बोतल एक रूपए की आई थी।
4. मुनीम ने डॉक्टर की फीस 20 रुपए बताई।
5. सेठानी ने मुनीम को तिजोरी से पचास रूपए निकालने के लिए कहा।

लिखित

(ख) 1. आधी रात तक सेठ जी दो पैसे का घाटा कहाँ हुआ, यह हिसाब लगाते रहे।
2. पाँच किलो घी खर्च होने पर सेठ ने तर्क दिया कि जीवनभर मैंने डालड़ा खाया और चिता फूँकी जाएगी देशी घी से ऐसा करना सूखी लकड़ी लेना और फूँक मारकर जला लेना।
3. सेठ जी ने जीने की अपेक्षा मरने में लाभ बताया क्योंकि उनको लगता था कि जीते जी ज्यादा खर्च होता है। डॉक्टर को बुलाएगें तो वो भी ज्यादा पैसे माँगेगा।
4. सेठ जी ने मरने से पहले सेठानी से कहा की मेरे मरने के बाद इस मुनीम को चाबी मत देना, वरना यह घर फूँककर तमाशा देखेगा। सारा खर्च खुद ही करना।
5. जब सेठानी ने तिजोरी की चाबी मुनीम को देते हुए कहा कि तिजोरी में से पचास रूपए निकालो और सेठ जी को फूँकने का प्रबंध करो। यह सुनते ही सेठ जी तुरंत उठ बैठे थे।

(ग) 1. मुनीम ने, सेठ से कहा।
2. सेठ जी ने, मुनीम से कहा।
3. मुनीम ने, सेठ जी से कहा।
4. सेठानी ने, सेठ जी से।
5. मुनीम ने, सेठ जी से।

(घ) 1. (ग) 2. (क) 3. (ग) 4. (ख)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क)

1.	सेठ	सेठानी	4. नौकर	नौकरानी
2.	देवर	देवरानी	5. जेठ	जेठानी
3.	माली	मालिन	6. धोबी	धोबिन

(ख)

	उद्देश्य	विधेय
1.	सेठ जी	गज़ब हो गया।
2.	सोडा	वापस कर दो।
3.	पेट में	ज़ोर का दर्द
4.	डॉक्टर	मत बुलाना

(ग) 1. धत् तेरे की, भाग्य में घाटा-ही-घाटा है।
2. लाओ, बहीखाता मुझे दो।
3. क्या बात है मुनीम जी?
4. पीना नहीं है, तो फेंक दीजिए।

(घ) 1. (ग) 2. (घ) 3. (ग) 4. (घ)

मूल्यांकन : I

(क) 1. सूचना क्रांति 2. कंप्यूटर, इंटरनेट 3. सूचना 4. यांत्रिक

(ख) 1. हाँ 2. हाँ 3. नहीं 4. हाँ

(ग) 1. (ग) 2. (क) 3. (ग) 4. (ग)

(घ)

1.	दीप	दीपक	3. पावन	पवित्र
2.	फूल	पुष्प	4. दुर्ग	किला

(ङ)

1.	काला	गोरा
2.	तेज़	मंद
3.	निर्धन	धनवान
4.	मूर्ख	विद्वान

(च)

1.	सेठ	सेठानी	3. नौकर	नौकरानी
2.	माली	मालिन	4. जेठ	जेठानी

पाठ-5 आया मेघदूत इस ओर

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. चहुँ ओर उमड़ती-घुमड़ती काली घटाएँ छा गई।

2. बिजलियों की चमक, बादलों की गर्जना, तेज़ हवाएँ ओर बूँदें मेघदूत के आने की खबर दे रहा है।

3. बादल अठखेलियाँ कर रहा है।

4. इठलाती-बलखाती गलियों-से घने बादल गुजर रहे है।

लिखित

(ख) 1. जब चारों ओर बिजलियों की चमक, बादलों की गर्जना छाए, तेज हवा चले, और बूँदें धरती पर गिरकर संदेश देती है। यह सभी मेघदूत के आने का संदेश देती है।

2. घनघोर वर्षा के पश्चात् सभी खेत जल से भर जाते हैं। चारों ओर पानी ही पानी होता है। खेतों की मेड़ों तक पानी भर जाता है।

3. वर्षा ऋतु के दौरान आकाश में बादल और सूर्य आपस में मस्ती करते है। कभी बादल आ जाते हैं तो कभी सूर्य छिप जाता है। इस प्रकार दोनों अठखेलियाँ करते रहते है।

4. वर्षा ऋतु से मानव-मस्तिष्क को भाव विभोर कर देती है। तन-बदन प्रसन्नचित हो जाते हैं। मन मोर के जैसे झूमने लगता है।

(ग) 1. प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य-पुस्तक के 'आया मेघदूत इस ओर' से ली गई हैं। इनका भावार्थ यह है कि जब बारिश आती है तो बूदें टप-टप करती हुई धरती पर गिरती है उनको तेज धार विकट रूप धारण करके खेतों को जल से भर देती है। खेतो की मेडों पर भी जल भराव हो जाता है।

2. प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य-पुस्तक के 'आया मेघदूत इस ओर' से ली गई हैं। इनका भावार्थ यह है कि वर्षा के आने पर तन-मन पुलकित हो जाता है। मन कल्पनाओं के सागर में भीग कर मोर की तरह नाचने लगता है। बरसात मानव मन को खुशगवार कर देती है।

(घ) 1. उमड़ती-घुमड़ती काली घटाएँ छा गई चहुँ ओर!

2. टप-टप करती सुर-लहरी बनी मृदुल
दूर पड़ी अविरल धार, रूप बनी विकराल।

3. उमड़ रहा आकाश अठखेलियाँ कर रहा बादल।

(ङ) 1. (ग) 2. (ग) 3. (ग) 4. (घ)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. चकाचौंध – दीवाली की चकाचौध चारों ओर बाज़ारों में थी।

2. सुर – कोयल मीठे सुर में गाती है।

3. कोंपल – बगीचों में फूलों की कोयले मन को मोड़ रही है।

4. खूशबू – चारों ओर चमेली की खुशबू फैली हुई हैं।
5. सघन – राजा शिकार करते हुए सघन वन में चला गया।
6. पुलकित – राधा की सफलता देखकर मेरा मन पुलकित हो गया।
7. कल्पना – राघव सोचते-सोचते कल्पना के सागर में डूब गया।
8. मेघदूत – मेघदूत कालिदास की प्रमुख दूतकाव्य है।

(ख) 1. पुलकित मन
2. भीनी खुशबू
3. मनभावन सावन
4. अविरल धार
5. काली घटाएँ

(ग) 1. (घ) 2. (क) 3. (क)

पाठ-6 अमूल्य पुष्प

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. बहुत ज्यादा ठंड के कारण फूल सूख गए थे।
2. सरोवर सुदास माली का था।
3. राजा भगवान बुद्धदेव के दर्शन के लिए निकले थे।
4. सुदास माली राजमहल के सामने सहस्त्रहल कमल लिए खड़ा था।
5. बुद्धदेव नगर के बाह्य प्रांत में विराजमान थे।

लिखित

(ख) 1. सुदास का मन अपने सरोवर में खिले कमल को देखकर आनंद से नाच उठा। उसके मन में विचार आया की– 'राजा जी को यह पुष्प देकर उनसे मुँह माँगा मूल्य ले लूँगा।
2. राजपथ पर जाता पुरुष सुदास से फूल राजाओं के राजा के श्री चरणों में चढ़ाना चाहता था।
3. फूल को देखकर राजा जी सोचने लगे कि– 'प्रभु के पूजन के लिए आज पुष्प की कमी थी वह पूरी हो जाएगी।
4. दोनों भक्त सुदास को विस्मय भरे नयनों से इसलिए निहारते रहे क्योंकि सुदास ने वह कमल का फूल बेचने से मना कर दिया था।
5. सुदास ने राजा को फूल देने से मना किया और उसके बदले दिए जाने वाले चालीस माशे छोड़कर यह सोचकर आगे चला गया कि– 'जिस बुद्धदेव के लिए ये भक्त लोग इतना धन व्यय करने को तैयार है, वह पुरूष स्वयं कितना धनवान होगा? लेकिन जब उसने वहाँ साधु को देखा तो वह स्तब्ध रह गया।

(ग) 1. प्रफुल्लित 2. आनंद 3. बुद्धदेव 4. हर्षित 5. पंछी

(घ) 1. सुदास ने, राजा से।

2. राजा ने, सुदास से।

3. बुद्धदेव ने, सुदास से।

(ङ) 1. (ख) 2. (क) 3. (ग) 4. (घ)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. वन जंगल कानन

2. कमल पंकज जलज

3. वृक्ष पेड़ वट

4. भूमि धरा धरती

5. घर गृह सदन

(ख) 1. यह 2. वह 3. इन 4. मैं 5. उसके

(ग) 1. (घ) 2. (ग) 3. (क) 4. (ख)

पाठ-7 सादी

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. ईरान के शीराज़ नगर में सादी रहता था।

2. सादी ईद का चाँद देखने की कोशिश कर रहा था।

3. सादी अपनी माँ से नए जूते माँग रहा था।

4. महल के अंदर तीन व्यक्ति थे।

5. सादी ने खुदा को धन्यवाद दिया था।

लिखित

(ख) 1. सादी की माँ इसलिए दुखी थी क्योंकि वह कड़ी मेहनत करने के बाद भी वह अपने बेटे की हर जरूरत पूरी नहीं कर पा रही थी।

2. बिस्तर पर लेटकर सादी सोचने लगा– हम गरीब क्यों हैं? कल ईदगाह पर मेरे दोस्त मेरा मज़ाक उड़ाएँगे।

3. सपने में वह व्यक्ति सादी को एक महल में ले गया था।

4. सादी ने सपने में देखा कि उसके सामने एक व्यक्ति खड़ा है, ओर उसको बुला रहा है। सादी उसके साथ चला गया, वह एक सुंदर और विशाल महल के आगे खड़ा हो गया। उस व्यक्ति ने महल की ओर संकेत करते हुए कहा, "मेरे प्यारे बच्चे, आगे बढ़ो और दरवाज़ा खोलकर अंदर जाओ।" वहाँ उसने तीन व्यक्ति देखे जो अपनी बेबसी का रोना रो रहे थे। उन्हें धन, दौलत कुछ नहीं चाहिए बस उनकी लाचारी, बेबसी दूर कर दो।

5. सादी ने बताया कि माँ, मैं नहीं जानता था कि दुनिया में इतने बेबस लोग भी रहते हैं, जिनके पास देखने, सुनने और चलने-फिरने की शक्ति भी नहीं होती। मेरे पास सब कुछ है। मैनें खुदा के बारे में बुरा-भला सोचा था अम्मी।

(ग) 1. हाँ 2. हाँ 3. हाँ 4. हाँ 5. हाँ

(घ) 1. (क) 2. (ग) 3. (क) 4. (घ)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. छोटा बड़ा 4. उदास प्रसन्न

2. मृत्यु जन्म 5. रात दिन

3. मेहनत आलस 6. प्रकाश अंधकार

(ख) 1. सादी 2. चाँद 3. माँ 4. दरवाज़ा 5. महल

(ग) 1. (क) 2. (ग) 3. (ग) 4. (ग)

पाठ-8 संगीत सम्राट : तानसेन

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. तानसेन सम्राट अकबर के दरबार में गा रहे थे।

2. तानसेन के गुरू का नाम हरिदास था।

3. तानसेन संगीत कला जानते थे।

4. सम्राट वेश बदलकर आश्रम की ओर गए थे।

5. हरिदास स्वेच्छा से गाता था।

लिखित

(ख) 1. सम्राट अकबर कला प्रेमी व्यक्ति थे।

2. तानसेन की आँखों में आँसू अपने गुरूदेव की याद में आए थे।

3. तानसेन ने गुरू हरिदास का गायन सुनने के लिए अकबर से कहा कि आप साधारण वेश में मेरे साथ उनके आश्रम में चलें।

4. गुरू हरिदास का गायन सुनने के लिए तानसेन ने यह तरकीब अपनाई वह एक कठिन राग को गलत ढंग से गाने लगे।

5. गुरू हरिदास ने सम्राट से कहा, "जिस देश का सम्राट ऐसा कला प्रेमी और मिट्टी से जुड़ा हुआ हो, उस देश का वर्तमान और भविष्य दोनों ही उज्जवल होंगे।"

(ग) 1. हाँ 2. नहीं 3. हाँ 4. हाँ 5. हाँ

(घ) 1. (क) 2. (ग) 3. (ख) 4. (ख)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. सम्राट अकबर को अपने कलाकारों पर गर्व था।

2. गायक हरिदास तानसेन से अधिक श्रेष्ठ थे।

3. तुम्हारी आँखों में यह आँसू क्यों उभर आए।
4. सम्राट अकबर ने तानसेन को राजमहल में बुलाया।
5. उनकी खुशी का ठिकाना न रहा।

(ख)

1. गायन	मधुर	4. वेश	साधारण
2. गायक	सर्वश्रेष्ठ	5. सम्राट	कलाप्रेमी
3. स्थान	ऊँचा	6. भविष्य	उज्ज्वल

(ग) 1. (ग) 2. (क)

मूल्यांकन : II

(क) 1. (क) 2. (क) 3. (ग) 4. (क)

(ख) 1. हाँ 2. हाँ 3. हाँ 4. नहीं 5. हाँ

(ग) 1. प्रफुल्लित 2. आनंद 3. हर्षित 4. पछी

(घ) 1. बड़ा 2. आनंद 3. प्रसन्न 4. अंधकार

(ङ) 1. यह 2. वह 3. इन 4. मैं 5. उसके

पाठ-9 नीति के दोहे

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. कौआ और कोयल।
2. रहीम ने बड़ा देखकर छोटे को नहीं छोड़ने को कहा है।
3. रहीम ने मुक्ताक्षर के माध्यम से अच्छे लोगों को मनाते रहने को कहा है।
4. नैना हृदय का भला-बुरा बता देते हैं।
5. दिए के तले अंधेरा होता है।

लिखित

(ख) 1. 'लघु न दीजिए डारि' से रहीम जी का आशय है कि हमें छोटो को भी कभी नहीं छोड़ना चाहिए। सबका अपना महत्व है। जो काम छोटी चीज़ कर सकती वो बड़ी नहीं कर सकती।
2. कवि ने सच और झूठ को 'गाढे दोऊ काम' कहकर इसलिए पुकारा है क्योंकि सच्चाई के रास्ते पर चलता है उसकी राह में काँटे बिछाए जाते हैं और झूठ का सहारा लेकर भगवान खुश नहीं होते हैं।
3. "नैना देत बताय सब' से कवि का अभिप्राय है कि व्यक्ति को आँखें देखने पर हृदय स्पष्ट लक्षित होता है। व्यक्ति की आँखें ही सब सच बता देती है, उसके मन का दर्पण खोल देती हैं।
4. अपने दोष न देख पाना मनुष्य के लिए हितकारी नहीं होता क्योंकि इससे हम अपने पर कोई सुधार नहीं कर पाते, बल्कि औरों के दोष ही खोजते रह जाते हैं।

(ग) 1. प्रस्तुत दोहा हमारी पाठ्य पुस्तक के पाठ 'नीति के दोहे' से ली गई है इसका भाव है कि बड़े लोगों को देखकर छोटों का अपमान नहीं करना चाहिए अर्थात् उनको छोड़ना नहीं चाहिए। क्योंकि सुई जिस काम को करेगी उस काम को तलवार नहीं कर सकती। अर्थात् सबका अपना-अपना महत्व होता है।

2. प्रस्तुत दोहा हमारी पाठ्य पुस्तक के पाठ 'नीति के दोहे' से ली गई है इसका भाव है कि रहीम के सामने मुश्किल है कि संसार और भगवान दोनों को खुश तो करना है लेकिन सच्चाई को स्वीकार करूँ तो संसार नाराज और झूठ को स्वीकार करूँ तो भगवान नाराज़। मुश्किल यह है कि दोनों को एक साथ कैसे खुश किया जाए।

3. प्रस्तुत दोहा हमारी पाठ्य पुस्तक के पाठ 'नीति के दोहे' से ली गई है इसका भाव है कि वह एक ही सुपुत्र अच्छा है जो सारे कुल का भला करता है, उसी प्रकार जिस प्रकार एक हो सुगंधित वृक्ष से सारा वन सुवासित सुगंधित हो जाता है।

(घ) 1. सब देखै पे आपनो दोष न देखै कोय।

2. होय बुराई तैं बुरो, यह कीनी निरधार।

3. साँचे से तो जग नहीं, झूठे मिलै न राम।

4. रहिमन देख बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि।

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. बसंत — बसंत ऋतु में चारों ओर हरियाली छा जाती है।

2. नैना — हमे अपने नैनों की हिफाजत करनी चाहिए।

3. सुपुत्र — राम अपने माता-पिता का सुपुत्र है।

4. बुराई — कभी किसी की बुराई नहीं करनी चाहिए।

5. दोष — हमे अपने दोष को भी मानना चाहिए।

(ख) 1. अपमान नहीं करना 2. सम्मान करना 3. सुपुत्र भला

4. सद्गुणों को देखना 5. सुगंध देता

(ग) 1. (ग) 2. (घ) 3. (क) 4. (ख)

पाठ-10 ईदगाह

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. हामिद के पास तीन पैसे थे।

2. हामिद की दादी का नाम 'अमीना' था।

3. हामिद ने चिमटा तीन पैसे में खरीदा।

4. तीस रोज़ों के बाद ईद आई हैं।

5. मुंशी प्रेमचंद ईदगाह कहानी के लेखक हैं।

लिखित

(ख) 1. रमज़ान के तीन दिन पूरे होने पर ईद मनाई जाती है।

2. हामिद के पिता की मौत हैज़े से हुई थी।

3. अमीना इसलिए रो रही थी क्योंकि ईद के दिन भी उसके घर में एक दाना खाने को नहीं था।

4. हामिद ने मेले से चिमटा ही इसलिए खरीदा क्योंकि हामिद को दादी का विचार आया की तवे से रोटियाँ उतारते हुए उनका हाथ जल जाता है। चिमटे के प्रयोग से दादी का हाथ भी न जलेगा और वह बहुत खुश हो जाएँगी।

5. अमीना का क्रोध स्नेह में तब बदला जब हामिद ने कहा की "तुम्हारी अंगुलियाँ तवे से जल जाती थीं, इसलिए मैंने यह चिमटा खरीदा।

(ग) 1. हामिद ने दादी से 2. दादी ने हामिद से

3. दुकानदार ने हामिद से।

(घ) 1. रमज़ान 2. अमीना 3. ललचाई 4. स्नेह 5. दुआएँ

(ङ) 1. (क) 2. (ग) 3. (क) 4. (ख)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. मिठाईयाँ 2. ईदगाह 3. परंतु 4. खिलौने

(ख) 1. दिल से वेदना होना। 2. दुखी होना।

3. नष्ट हो जाना। 4. दया आना

(ग) 1. पुरानी 2. दुखी 3. मज़बूत 4. सुंदर 5. बुढ़िया

(घ) 1. (ख) 2. (ग) 3. (ख) 4. (क)

पाठ-11 सच्ची सेवा

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. रमेश बाबू दो दिन के लिए बाहर गए थे।

2. सेवाराम, खूबचंद, रामनरायन।

3. सेवाराम ईश्वर की बात कर रहा है।

4. रमेश बाबू सेवाराम का अनाथाश्रम से लाए थे।

लिखित

(ख) 1. रमेश बाबू इसलिए गुस्से में थे क्योंकि उनका सारा घर अव्यवस्थित था। कोई भी सामान सही जगह पर नहीं था।

2. सेवाराम अब ईश्वर की सेवा करना चाहता था, इसलिए उसने नौकरी करने से मना किया।

3. रमेश बाबू को कमरे में भूकंप आ गया ऐसा इसलिए लगा क्योंकि उसके घर का सारा सामान अस्त-व्यस्त था। कोई भी चीज अपनी जगह पर नहीं थी।

4. सेवाराम का मालिक उसको अपने पास बिठाकर, उसको प्रेम से खाना खिलाकर, सोने के पश्चात् उसकी सेवा करके आदि से उसका ध्यान रखता था।
5. सेवाराम ने ऐसा इसिलए कहा क्योंकि-ईश्वर सबका मालिक है। वह सर्वशक्तिमान है। उसी की दया से सारा संसार चलता है। इसलिए सेवाराम अपने मालिक के मालिक की सेवा करना चाहता था।

(ग) 1. नहीं 2. हाँ 3. हाँ 4. नहीं 5. हाँ

(घ) 1. 2. (ग) 3. (घ) 4. (ग)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. अस्त-व्यस्त रमेश बाबू का सारा घर अस्त-व्यस्त था।
2. तन-बदन गंदगी देखकर मेरे तन-बदन में आग लग गई।
3. आड़ी-टेढ़ी कविता ने कल आड़ी-टेढ़ी रोटियाँ बनाई।
4. होश-हवास हमें सभी कार्य अपने होश-हवास से ही करने चाहिए।
5. उलट-पलट सेवाराम ने दस का नोट उलट-पलट कर देखा।
6. चैन-आराम मोहन दिन भर काम करता उसको चैन आराम का समय भी न था।

(ख) 1. घर का काम नहीं करेगा तो क्या बाहर का <u>काम करेगा</u>?
2. अब कोई दूसरा मालिक <u>खोज लिया</u> है।
3. एक तमांचा <u>लगाऊँगा</u>, मुँह टेढ़ा हो <u>जाएगा</u>।
4. मालूम होता है किसी बड़े मालिक के बल पर अपना होश-हवास <u>खो बैठा है</u>।
5. मैं जीवनभर उसकी सेवा <u>करता रहूँगा</u>।

(ग) 1. (घ) 2. ये सभी है। 3. (ख) 4. (ग)

पाठ-12 वेदों की ऋचाओं से

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. शांति की बात शरण कह रहा था।
2. ट्रॉइंग रूम में पिता जी आए थे।
3. शरण की तू-तू, मैं-मैं सौम्या से हुई थी।
4. विश्व शांति का संदेश देने वाला देश हमारा भारत है।
5. वेद हमारी प्राचीनतम धरोहर है।

लिखित

(ख) 1. शांति के बारे में वेदों में कहा गया है कि हमे किसी का बुरा नहीं करना चाहिए, कोई हमारा शत्रु न बने। सब मिलकर बढ़ें, सुख-शांति हेतु सबके चित्त और निश्चय एक हो।

2. अर्थववेद में पारिवारिक शांति के लिए लिखा गया है कि हमसे कोई बैर न करे। हमारा कोई शत्रु न बने। हमसे किसी का बुरा न हो।
3. 'सं गच्छध्वं सं वदध्वं शं वी मनांसि जानतम्।' का अर्थ है कि सब मिलकर चलें, मिलकर बढ़ें, सुख-शांति हेतु सबके चित्त और निश्चय एक हों।
4. पिता जी ने बच्चो को शांति का मंत्र पढ़ाया।
5. शांति का महत्व सभी के जीवन में विशेष है। हमारे आस-पास तथा हमारे देश में शांति भी रहनी चाहिए। इसके लिए हम सबको ईर्ष्या द्वेष छोड़ना चाहिए।

(ग) 1. ड्राइंग रूम 2. नागरिक 3. प्रकृति 4. मधुर 5. ऋग्वेद

(घ) 1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (घ)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क)

ग्रंथ	हमारी प्राचीन धरोहर है।
परिवार	हमे परिवार में शांति बनाए रखनी चाहिए।
शांति	जीवन में शांति होनी चाहिए।
विश्व	विश्व में शांति बनाए रखना हमारा कर्तव्य है।
पहाड़	कल मैं पिताजी के साथ पहाड़ देखने गया।
पाठ	अध्यापक ने सभी पाठ पढ़ा दिए।

(ख)

1. पृथ्वी	वसुधा	धरा	
2. जल	पानी	नीर	
3. चंद्रमा	चाँद	शशि	
4. बादल	जलद	मेघ	
5. वर्षा	बरसात	बारिश	
6. घोड़ा	घोड़ा	अश्व	

(ग)

निश्छल	निः + छल	निष्फल	निः + छल
चतुष्पाद	चतुः + पाद	निष्काम	निः + काम

(घ) 1. (क) 2. (क) 3. (ग) 4. (ख)

पाठ-13 वही खिलौना

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. दीना का लाल राजकुमार का खिलौना लेना चाहता था।
2. राजकुमार का खिलौना सोने का बना था।
3. दीना के लाल का खिलौना मिट्टी का बना था।
4. राजहठी ने सभी उपहार-सोना, चाँदी आदि फेंक दिया था।

लिखित

(ख) 1. व्यथित माँ ने बच्चे को समझाया की वह सोने का बना है। उससे खेलना हमारे लिए नहीं है। तेरे पास जो है तू उससे खेल क्योंकि वह भी राम के घर नही हैं।

2. माँ की बात सुनकर बालक ने अपना खिलौना तुरंत मिट्टी में फेंक दिया।

3. शिशु राजकुमार दूसरा खिलौना देखकर मचल गया जिसको बालक बार-बार पुचकार रहा था।

4. राजपुत्र को यह कहकर समझाया गया कि वह खिलौना मिट्टी का है। तुम अपने सोने के खिलौने से खेलों।

5. राजहठी ने अपनी सभी भेंट, सोना-चाँदी सब फेंक दिया। उसे वही मिट्टी का खिलौना चाहिए जिसको वह उछाल कर खेल रहा था।

(ग) 1. राजा के घर नहीं-नहीं माँ
तू मुझको बहकाती है;
इस मिट्टी से खेलेगा क्या
राजपुत्र तू ही कह तो।

2. राजहठी ने फेंक दिए सब
अपने रजत-हेम-उपहार;
'लूँगा वहीं, वही लूँगा मैं'
मचल गया वह राजकुमार।

(घ) 1. (क) 2. (ग) 3. (क)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क)	1.	राजकुमार	राजकुमारी	4.	गुड्डा	गुड़िया
	2.	माँ	पिता	5.	दासी	दास
	3.	बेचारी	बेचारा	6.	बालक	बालिका
(ख)	1.	खिलौना	2. निर्मित	3.	शिशू	4. राजपुत्र
(ग)	1.	माँ	ममता	3.	दास	दासत्य
	2.	शिशु	शिशुत्व	4.	बालक	बालकपन

(घ) 1. (क) 2. (क) 3. (ग) 4. (ग)

मूल्यांकन : III

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. रमज़ान 2. स्नेह 3. नागरिक 4. मधुर 5. ऋग्वेद

(ख) 1. नहीं 2. नहीं 3. हाँ 4. हाँ

(ग) 1. घर का काम नहीं करेगा तो क्या बाहर का काम करेगा?

2. अब कोई दूसरा मालिक खोज लिया है।

3. एक तमांचा लगाऊँगा, मुँह टेढ़ा हो जाएगा।

4. मैं जीवनभर उसकी सेवा करता रहूँगा।

(घ)

1.	पृथ्वी	वसुधा	धरती
2.	चंद्रमा	चाँद	रजनीश
3.	वर्षा	बारिश	बरसात
4.	घोड़ा	तुरंग	अश्व

(ङ) 1. (ग) 2. (क) 3. (क) 4. (ग)

पाठ-14 क्यों-क्यों लड़की

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. छोटी लड़की का नाम मोइना था।

2. इस पाठ का शीर्षक 'क्यों-क्यों लड़की' इसलिए रखा गया क्योंकि मोइना हर बात पर 'क्यों' करती थी।

3. मोइना आदिवासी जाति की लड़की थी।

4. मोइना समिति के स्कूल में पढ़ती थी।

5. यह कहानी हमें संदेश देती है कि हमें हर बात जानने के लिए जिज्ञासु होना चाहिए।

लिखित

(ख) 1. मोइना एक आदिवासी, शबर जाति की लड़की थी। मोइना एक ऐसी लड़की है जिसमें जिज्ञासा, जीवन-संघर्ष एवं कर्तव्यनिष्ठा कूट-कूट कर भरी है। उसे हर बात को जानने की जिज्ञासा रहती थी।

2. मोइना एक बार बचपन में एक बड़े से साँप का पीछा करके उसको घसीटते हुए लेकर आई। साँप के बारे में जानने के लिए उसके मन में बहुत जिज्ञासा थी।

3. मोइना समिति के स्कूल के समय में इसलिए बदलाव चाहती थी क्योंकि सुबह उसको और भी कई अन्य कार्य होते थे। वह पढ़ना चाहती थी। उसने दूसरे बच्चों को भी स्कूल आने के लिए प्रेरित किया। उसने उनको कई ज्ञान की बाते बताई जो विद्यालय में ही मिलती थी।

4. मोइना जिस कार्य को करने का ठान लेती थी उसको पूरा करके ही छोड़ती थी। वह किसी का अहसान नहीं लेती थी। काम के बदले मिलने वाले अनाज के लिए भी वह धन्यवाद नहीं देना चाहती थी क्योंकि वह उसे उसकी मेहनत के बदले मिला है।

5. मोइना और दूसरे शबर जाति के लोगों मे यह असमानता थी कि वे सभी निर्धन और भूमिहीन होने की शिकायत करते थे लेकिन मोइना नहीं करती थी।

(ग) 1. हाँ 2. हाँ 3. नहीं 4. हाँ 5. नहीं

(घ) 1. (क) 2. (ग) 3. (क)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क)

भूमिहीन	भूमिरहित	ललकारा	टोकना
अंगार	चिंगारी	दाखिल	घुसा हुआ
रोचक	रूचिकर	घोषणा	ऐलान

(ख) विद्यार्थी स्वयं करें।

(ग)

	विशेषण	विशेष्य
1.	छोटी	लड़की
2.	एक	टोकरी
3.	निर्धन	महिला
4.	हरे	पत्ते

(घ) 1. (क) 2. (क) 3. (ग) 4. (घ)

पाठ-15 ध्रुव तारा

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. राजा का नाम उत्तानपाद था।
2. सुनीति का नाम ध्रुव था।
3. भगवान विष्णु ने ध्रुव को आकाश में स्थान दिया।
4. सुनीति और ध्रुव राज्य के बाहर रहते थे।
5. ईश्वर पर विश्वास करना चाहिए।

लिखित

(ख) 1. राजा उत्तानपाद छोटी रानी को अधिक प्यार करते थे। वह चालाकी से हर बात मनवा लेते थी। वह दिखने में भी बहुत सुंदर थी।

2. सुरूचि अपने पुत्र को राजा बनाना चाहती थी, इसलिए उसने षडयंत्र रचकर सुनीति और ध्रुव को राजमहल से बाहर निकलवा दिया।

3. सुरूचि ने ध्रुव से क्रोधित होकर कहा, "ध्रुव, तू राजा की गोद में बैठने योग्य नहीं है। अगर तू पिता की गोद में बैठना चाहता था तो जा तप कर और अगले जन्म में मेरा पुत्र बनकर पैदा होना।"

4. ध्रुव ने ईश्वर की खोज में वन में जाकर उचित स्थान ढूँढ़ा और भगवान विष्णु का ध्यान कर तप करने लगा। बिना खाए-पीए, गरमी-सरदी, बरसात सहते हुए भगवान विष्णु का नाम जपने लगा।

5. भगवान विष्णु ने प्रसन्न होकर ध्रुव को उसकी सारी इच्छाएँ पूरी होने का वरदान दिया और ध्रुव को आकाश में स्थान दिया।

(ग) 1. सुरूचि ने ध्रुव से करा।
2. सुनीति ने ध्रुव से कहा।
3. भगवान विष्णु ने ध्रुव से कहा।

(घ) 1. (ग) 2. (क) 3. (क) 4. (ग)

(ङ) 1. नहीं 2. हाँ 3. नहीं 4. हाँ 5. नहीं

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. ध्रुव अपनी माँ से बहुत प्रेम करता था।
2. ध्रुव पाँच वर्ष का था।
3. गोद में उत्तम बैठा था।
4. ध्रुव को रोता देख सुनीति ने कारण पूछा।
5. ध्रुव वन की ओर चल दिया।

(ख) राजा उत्तानपाद की दो रानियाँ थीं। बड़ी रानी का नाम सुनीति था और छोटी रानी का नाम सुरुचि था। ध्रुव सुनीति का पुत्र था। सुरुचि का पुत्र उत्तम था।

(ग)

1.	षड्यंत्र	साज़िश	4. इच्छा	चाहत
2.	सरल	आसान	5. उचित	सही
3.	स्वार्थी	केवल अपने बारे में सोचने वाला	6. विश्वास	भरोसा

(घ)

	(अ)	(ब)
1.	षड्यंत्र	कहना, रचना, पढ़ना, दौड़ता
2.	बात	मानना, निकालना, हँसना, लड़ना
3.	जन्म	करना, पढ़ना, होना पहुँचना
4.	तप	चलना, करना, पढ़ना, बीतना
5.	उत्तर	कहना, देना, गिरना, उगना

(ङ) 1. इनमे से कोई नहीं 2. (क) 3. (ख) 4. इनमे से कोई नहीं

पाठ-16 महाखेल ओलंपिक

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. प्राचीन ओलंपिक ग्रीस के माउंट ओलिपंस नामक स्थान पर 776 ईसापूर्व शुरू हुए थे।
2. ओलंपिक के प्रतीक में पाँच छल्ले होते हैं।
3. ओलंपिक खेल चार वर्ष के बाद आयोजित किए जाते है।

4. सन् 1906 में ओलंपिक खेल रद्द कर दिए गए थे।
5. वर्ष 2020 में ओलंपिक खेल टोक्यो में आयोजित किए गए।

लिखित

(ख) 1. आधुनिक ओलंपिक खेलों की शुरूआत (यूनान) की राजधानी एथेंस में सन् 1896 के आयोजन से हुई।

2. पियरे डि कूबर्टिन को आधुनिक ओलपिक खेलों का जनक इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने सन् 1896 में इन खेलों की पुनः शुरूआत की।

3. ओलंपिक विश्व का सबसे विशाल खेल-समारोह है। इसे खेलों का महाकुंभ भी कहा जाता है। ओलपिंक खेलों में संसार भर के देश भाग लेते हैं। ओलंपिक की शुरूआत यूरोपीय देश ग्रीस के प्राचीन नगर 'ओलंपिक' में हुई थी। ओलंपिक खेलों में खिलाड़ी की विजय नहीं, बल्कि उसका भाग लेना महत्वपूर्ण है।

4. ओलंपिक खेलों का प्रतीक आपस में जुड़े पाँच छल्ले हैं। ये 'पाँच छल्ले' अपने विशेष रंगों के द्वारा संसार के पाँच महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इनमें 'नीला छल्ला' यूरोप का, 'पीला छल्ला' एशिया का, 'काला छल्ला' अफ्रीका का, 'लाल छल्ला' अमेरिका का और 'हरा छल्ला' आस्ट्रेलिया महाद्वीप का प्रतिनिधित्व करता है।

(ग)

1.	रोमन सम्राट थियोडोसियस	ओलंपिक खेलों पर रोक
2.	बैरॉन पियरे डि कूबर्टिन	आधुनिक ओलंपिक के जनक
3.	सायटियस, आल्टियस, फॉरटियस	सबसे तेज़, सबसे ऊँचा, सबसे बलवान
4.	सन् 1940 और 1944 के ओलंपिक	प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध से रद्द
5.	बीजिंग ओलंपिक	बर्ड्स नेस्ट

(घ) 1. (ग) 2. (क) 3. (ग) 4. (ग) 5. (घ)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. प्राचीन 2. पराजय 3. संक्षेप 4. हारना

(ख) 1. अन्तः 2. ई 3. हार 4. मान

(ग)

1.	सन्	वर्ष	3. अहम्	मैं
	सन	पुत्र	अहम	महत्वपूर्ण
2.	बम्	तांगो के आगे लगे हुए बांस		
	बम	शिव को प्रसन्न करने के लिए उच्चारित शब्द जैसे- बम भोले		
4.	जगत्	किनारा		
	जगत	संसार		

(घ) 1. (ख) 2. (ग) 3. (ख) 4. (ग)

पाठ-17 युगावतार गाँधी

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. प्रस्तुत कविता राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी पर आधारित है।

2. गाँधी जी पिसती कराहती धरती के प्राणों में अभय-दान भरते हैं।

3. सेनाएँ अपने घरों को छोड़कर महात्मा गाँधी के साथ जा रही है।

4. अभिनव भारत स्वतंत्र उगता है।

लिखित

(ख) 1. गाँधी जी के दो कदम जिधर पड़ते थे उधर ही करोड़ों लोग अपने कदम ले जाते थे। लोग महात्मा गांधी को बहुत मानते थे उनके महानता का गुणगान करते थे। इसलिए वे जहाँ जाते सब उसी ओर चल देते।

2. पंक्तियों का तात्पर्य यह है कि जो-जो कार्य महात्मा गाँधी ने किया करोड़ों लोग उनका अनुसरण करते थे। महात्मा गाँधी के साथ ही पूरा युग बोलता और मौन भी होता है। सभी महात्मा गांधी का अनुसरण करते हुए आगे बढ़ते थे।

3. प्रस्तुत कविता में गाँधी का व्यक्तित्व अविस्मरणीय है। लोग उनके साथ-साथ ही सब जगह चलते थे। वे सबकी रक्षा के लिए तैयार रहते थे। महात्मा गाँधी के पीछे करोड़ो लोग उनके जैसा कार्य करते थे।

(ग) 1. प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य पुस्तक के 'युगावतार गाँधी' से ली गई हैं। इन पंक्तियों का आशय है कि गाँधी जी जिसके सिर पर अपना हाथ रख देते थे उसकी रक्षा के लिए करोड़ों हाथ आगे आते थे। गाँधी जी ने ही इस देश की रक्षा के लिए अपने कदम बढ़ाएँ।

2. महात्मा गाँधी युगद्रष्टा है वे ही युग की रचना करने वाले हैं। तुमने कितने जग आंदोलन करके भारत माता को मोक्ष की प्राप्ति प्रदान की। इस देश इस युग के रचयिता आप ही हो।

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. हाथ माथ

2. बना तना

3. दान निशान

4. प्रयाण त्राण

5. मंत्र स्वतंत्र

(ख) 1. भक्षक 2. वाचाल 3. सोया 4. छिपता

5. परतंत्र 6. जाकर

(ग) 1. दृष्टि — अध्यापक की दृष्टि में वह होशियार है।
2. रक्षक — सैनिक देश के रक्षक हैं।
3. मौन — आज माता जी ने मौन व्रत धारण किया है।
4. ध्वज — हमारे विद्यालय में ध्वज लहराया गया।
5. खंडहर — गाँव के पास एक पुराना खंडहर है।

(घ) 1. (क) 2. (ग) 3. (ख) 4. (ख)

पाठ-18 कर्मवीर बनो

क्या सीखा, क्या जाना?

(क) 1. हिम्मत सिंह जो बहुत आलसी तथा साहसहीन व्यक्ति था।
2. हिम्मत सिंह का नाम उसके स्वभाव से विपरीत था।
3. पेट भरने हेतु सामान मांगने व्यक्ति के घर गया।
4. तिरस्कार भरी दृष्टि से देखा।
5. व्यक्ति ने हिम्मत सिंह को परिश्रम करने का उपदेश दिया।
6. स्फूर्ति तथा शक्ति का संचार हो गया।

(ख) 1. हिम्मत सिंह बहुत आलसी तथा साहसहीन व्यक्ति था।
2. हिम्मत सिंह लोगों से मांग कर गुजारा करता था।
3. हिम्मत सिंह के पड़ोसी उसे समझाते भी थे और फटकारते भी थे।
4. हिम्मत सिंह की आंखें उसके पड़ोसी ने खोली।
5. हिम्मत सिंह का पुष्ट शरीर, सोचने समझने के लिए मस्तिष्क उसका सबसे श्रेष्ठ धन था।
6. हिम्मत सिंह ने प्रण लिया कि वह किसी से कुछ भी नहीं माँगेगा तथा बड़ा परिश्रम करके अपनी दुर्दशा सुधरेगा।
7. अब्राहम लिंकन।

(ग) 1. स्फूर्ति 2. अनाथ 3. देन 4. आलस्य 5. उद्यम

(घ) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✗ 6. ✓

(ङ) 1. प्रतिकूल 2. फटकारते थे 3. परिश्रम करने पर 4. रामानुजन

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) बेकार साहसी मनुष्य/आदमी डाँटना सेहत कीमती

(ख) आलसी अविख्यात रोना सुपरिणाम और स्वस्थ दुर्भाग्यशाली

(ग) परिचयात्मक उद्यमी अनुभवी भाग्यशाली शारीरिक मूल्यवान

(घ) फटकार व्यक्तित्व निर्धनता प्रसिद्घ देन स्वास्थ्य

(ङ) विशेषज्ञ अल्पज्ञ सर्वज्ञ

(च) 1. बात ना सुना – इतना समझाने पर भी सोहन के कान पर जूँ नहीं रेंगती।

2. चुप हो जाना – कक्षा में किसी भी प्रश्न का उत्तर पूछने पर रोहण के मुँह पर ताला लग जाता है।

(छ) स्वर उन ध्वनियों को कहते हैं, जो बिना किसी अन्य वर्णों की सहायता से उच्चारित किए जाते हैं।

1. संयुक्त स्वर: अ + ए = ऐ अ + उ = ओ अ + ओ = औ

2. दीर्घ स्वर = आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ

पाठ–19 मैं और मेरा देश

क्या सीखा, क्या जाना?

मौखिक

(क) 1. स्वामी रामतीर्थ जापान गए थे।

2. वे रेल में यात्रा कर रहे थे।

3. जापानी युवक प्लेटफार्म पर खड़ा था।

4. जापानी युवक ने फल स्वामी रामतीर्थ को भेंट किए थे।

5. दूसरे देश के युवक ने पुस्तक में से कुछ दुर्लभ चित्र निकाल लिए थे।

लिखित

(ख) 1. जापानी युवक अपनी पत्नी को रेल में बैठाने आया था। इसलिए वह प्लेटफॉर्म में खड़ा था।

2. फल न मिलने पर स्वामी रामतीर्थ ने कहा था कि "जापान में शायद अच्छे फल नहीं मिलते।

3. स्वामी रामतीर्थ की बात सुनकर जापानी युवक ने अपनी बात बीच में ही छोड़कर बाहर भागा और कहीं दूर से एक टोकरी ताज़े फल लाकर स्वामी जी को भेंट स्वरूप दिया।

4. जापानी युवक ने स्वामी रामतीर्थ को फलों का मूल्य बताते हुए कहा की अगर आप इनका मूल्य ही देना चाहते हो तो, वह यह है कि आप अपने देश में जाकर किसी से यह न कहिएगा कि जापान में अच्छे फल नहीं मिलते।

5. दूसरे देश के युवक को जापान से इसलिए निकाला गया क्योंकि उसने पुस्तकालय की एक किताब से कुछ दुर्लभ चित्र निकाल लिए थे।

(ग) 1. जापान 2. प्लेटफॉर्म 3. ताज़े फल 4. बँधा 5. नागरिक

(घ) 1. स्वामी जी ने प्लेटफार्म पर फलवाले से कहा।

2. जापानी युवक ने स्वामी रामतीर्थ से कहा।

(ङ) 1. (क) 2. (ग) 3. (क) 4. (क)

शब्द-बोध और व्याकरण

(क) 1. रामतीर्थ 2. स्टेशन 3. प्लेटफॉर्म 4. पुस्तकालय
5. नागरिक 6. जापान

(ख) 1. युवती 2. पति 3. छात्र 4. टोकरा
5. गधी 6. माता

(ग) 1. पत्नी भार्या बीवी
2. देश राष्ट्र मातृभूमि
3. संसार दुनिया जग
4. दिन दिवस सवेरा

(घ)

कर्ता	कर्म
1. स्वामीजी	रेलयात्रा
2. युवक	फल ले आया
3. लड़का	पुस्तक पढ़ना
4. मन	साइकिल चलना
5. सूर्य	उदय होना

(ङ) 1. (घ) 2. (क) 3. (क) 4. (ग)

मूल्याकंन - IV

(क) 1. हाँ 2. हाँ 3. नहीं 4. हाँ 5. नहीं

(ख) 1. जापान 2. प्लेटफार्म 3. ताजे फल 4. बंधा

(ग) 1. (ग) मालती बनल 2. (ग) उत्तम 3. (क) उत्तानपाद
4. (ग) एक 5. (ख) प्रतिकूल

(घ) छोटी, लड़की
एक, टोकरी
निर्धन, महिला
हरे, पत्ते

(ङ) 1. दृष्टि - अध्यापक की दृष्टि में वह होशियार है।
2. रक्षक - हमारे सैनिक हमारे देश के रक्षक हैं।
3. मौन - आज माताजी ने मौन व्रत धारण किया हौ
4. ध्वज - हमारे विद्यालय में ध्वज लहराया गया है।

प्रश्न पत्र : II

(क) 1. ललचाई 2. दुआएँ 3. प्रकृति 4. प्लेटफार्म 5. नागरिक

(ख) 1. नहीं 2. हाँ 3. हाँ 4. नहीं 5. हाँ

(ग) 1. हामिद ने दादी से कहा 2. दादी ने हामिद से कहा
3. स्वामी रामतीर्थ ने कहा 4. जापानी युवक ने स्वामी रामतीर्थ से कहा
5. सुरुचि ने ध्रूव से कहा

(घ) 1. पानी नीर 2. बारिश बरसात 3. भार्या बीवी
4. जगत दुनिया 5. दिवस वासर

(ङ) 1. युवती 2. पति 3. छात्र 4. राजकुमारी
5. पिता 6. टोकरा 7. दास 8. बालक

(च) 1. (क) लोहे का 2. (ख) रामायण में
3. (क) राजकुमार का 4. (ग) पाँच महाद्वीपों का
5. (ग) रामानुजम

(छ) 1. पुरानी 2. दुखी 3. मजबूत 4. सुंदर 5. बुढ़िया

(ज) 1. अन्तः 2. हार 3. ई 4. मान

(झ) 1. आलसी 2. साहस 3. मानव 4. डाँटना
5. सेहत 6. कीमती

(ञ) 1. अमीना का क्रोध स्नेह में तब बदला जब हमिद ने कहा कि तुम्हारी उगुलियाँ तवे से जल जाती थी, इसलिए मैंने यह चिमटा खरीदा।

2. शांति के बारे में वेदों में कहा गया है कि हमें किसी का बुरा नहीं करना चाहिए, कोई हमरा शत्रु न बने। सब मिलजुल कर बढ़े, सुख-शांति हेतु सबके चित्त और निश्चय एक हो।

3. मोइना एक बार बचपन में एक बड़े साँप का पीछा करके उसको घसीटते हुए लेकर आई। साँप के बारे मे जानने के लिए उसके मन मे बहुत जिज्ञासा था।

4. आधुनिक ओलंपिक खेलों की शुरुआत यूनान की राजधानी एथेंस में सन 1896 के आयोजन से हुई।